श्री माहेश्वरी टाईम्स

अंक-6 नवम्बर 2005 वर्ष - 1

RNI - MPHIN/2005/14721

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक

श्रीमती सरिता बाहेती

□

सम्पादक

पुष्कर बाहेती

□

अतिथि सम्पादक

श्रीमती बिमला साबू

□

कला निदेशक

अक्षय आमेरिया

□

संरक्षक

श्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)

श्री रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)

श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

□

परामर्शदाता

श्री बंशीलाल बाहेती

श्री मदनलाल पलौड़

श्री आर.आर. बाल्दी

श्री राजेन्द्र ईनाणी

श्री गोपाल गोदानी (भोपाल)

श्री ओमप्रकाश भराणी

□

सम्पादकीय सलाहकार

श्री बंशीलाल भूतड़ा 'किरण'

श्री गोविन्द मालू

श्री दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)

□

सम्पादन सहयोग

रामनिवास झंवर

प्रमोद मंत्री

शैलेष राठी

अशोक माहेश्वरी

□

कार्यालय -

श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी,

उज्जैन (म.प्र.) 456001

दूरभाष -0734- 2551307, 2559389

3094855 मोबाईल - 94250-91161

E-Mail : sri_maheshwaritimes@yahoo.com

□

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

भारतीय रिटेल कारोबार के राजा किशोर बियाणी

23

लक्ष्मी की बड़ी बहन देवी दरिद्रता

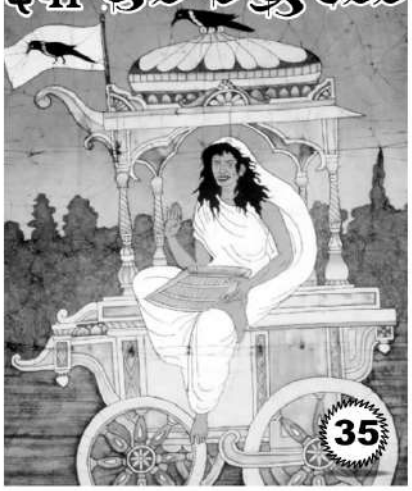

35

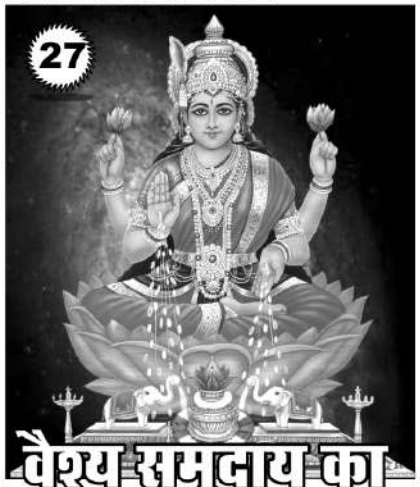

27

वैश्य समुदाय का प्रमुख त्यौहार है दीपावली

55

सजने और संवरने का पर्व है दीपावली

दीपावली के पांच उत्सव और जीवन की पांच उपलब्धियां

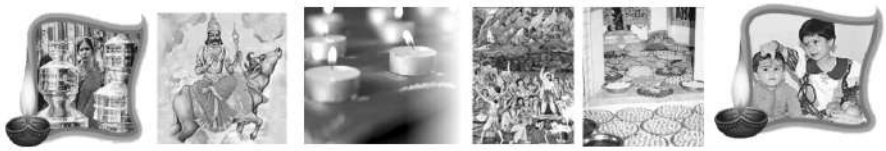

व्यापार के बादशाह माहेश्वरी	4	दीया	43
फलौदी माताजी	9	अज्ञान के अंधेरे में तंत्र-मंत्र	45
समाचार	11-20	धन और धनात्मक ऊर्जा	47
उपलब्धि	21	कला और संस्कृति सहेजती रंगोली	49
लोकपर्व दीपावली	29	जलाएं मैत्री और प्रेम के दीये	53
समुद्र से आई समृद्धि की देवी	31	व्यंजन	57
लक्ष्मी का अर्थ केवल धन ही नहीं..	33	पहले आग से अंधेरा मिटाया	58
इस तरह मनाएं यादगार दीपावली	34	वार्षिक भविष्यफल	59-70
ऊर्जा का अखंड स्त्रोत श्री यंत्र	36		

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) रहेगा।

धन का नया चेहरा

धन क्या है, यह हमें पहले समझ लेना चाहिए। जो हमें प्राप्तियाँ कराता है वह धन है। यदि विद्वान का धन उसकी विद्या है, तो व्यापारी का धन उसकी पूंजी। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमारी योग्यता धन है। इस तरह हम देखते हैं कि धन का अर्थ रुपया-पैसा, सोना-चांदी, जमीन-जायदाद नहीं है। यह प्राप्तियाँ पुरुषार्थ भर है जो हम अपने धन अर्थात योग्यता से अर्जित करते हैं। यही कारण है कि आज धन की परिभाषा बदल रही है। आधुनिक विद्वान उन गुणों पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं जो व्यक्ति को ऐसी योग्यता प्रदान करें जिससे वह अपने लक्ष्य को पाने में सफल हो सके। नए प्रबंधशास्त्री ज्ञान को सबसे बड़ा धन कहते हैं। वे मानते हैं कि आधुनिक युग का सबसे बड़ा धन ज्ञान है। जिसके पास जितना ज्ञान है, वह उतना सफल है इसलिए ज्ञान बढ़ाने पर सबसे ज्यादा ज़ोर दिया जा रहा है। भारतीय परम्परा सदैव ज्ञान की उपासक रही है। 21 वीं सदी के विद्वान आज जिस ज्ञान को सफलता का सबसे प्रमुख कारण मान रहे हैं, हमारे ऋषियों ने युगों पहले सफल जीवन के आवश्यक गुणों में उसे सबसे ऊपर रख दिया था। लक्ष्मी-तंत्र में उन छह गुणों का वर्णन है, जिनसे मनुष्य जीवन को सफल करता हुआ देवत्व को प्राप्त होता है। यह छह गुण हैं- ज्ञान, शक्ति, ऐश्वर्य, वीर्य, बल और तेज। इनमें ज्ञान सबसे पहले आता है, शेष पांच गुण भी ज्ञान के ही विस्तार हैं। अध्यात्म कहता है स्वयं का पूर्ण ज्ञान और सबका व्यापक परिज्ञान ही ज्ञान है। अर्थात हम अपने आप को और अपने परिवेश को देखें। अपनी योग्यता को परखें और शेष जगत् के साथ कदम-ताल मिलाने के लिए अपने आप को योग्य बनाएं।

दूसरा गुण है- शक्ति। शक्ति का अर्थ ताकत नहीं है। शक्ति का अर्थ है-क्षमता। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए योग्यता के साथ कार्य करने की क्षमता भी आवश्यक है। हमारी सफलता इसी पर निर्भर है कि हम उसे पाने के लिए किस क्षमता से कार्य करते हैं। तीसरा गुण है- ऐश्वर्य। ऐश्वर्य का अर्थ है अपने लक्ष्य की प्राप्ति में किसी से कोई अपेक्षा नहीं रखना। स्वतंत्र अस्तित्व के साथ कार्य करना। कार्य में विलक्षणता पैदा करना। वैशिष्ठ्य के साथ कार्य करना। चौथा गुण है-वीर्य। वीर्यवान होने का अर्थ है विकारों से बचे रहना। ये विकार है- अहंकार। कहते हैं अहंकार पाप की जड़ है। पाँचवां गुण है- बल। बल का अर्थ है आत्मशक्ति। लक्ष्मी तंत्र में कहा गया है कि परमात्मा सकल विश्व का भरण करता है, वह बल है। हमारे कार्य में दूसरों को भी रोजगार मिले। हमारे कार्य से अन्य लोगों की भी परवरिश हो। मन में यह भावना रखने वाला ही वास्तविक बलशाली है। छटा और अन्तिम गुण है-तेज। तेज का अर्थ है स्वयं प्रकाशित होना। अपने कार्य में किसी अन्य की सहायता की आवश्यकता नहीं होना तेज है। शास्त्रों के अनुसार इन छह गुणों को धारण करने वाला पुरुषोत्तम कहलाता है। अर्थात उत्तम पुरुष के यह छह गुण हैं। आधुनिक विद्वान धन का जो नया चेहरा बना रहे हैं, उसमें ज्ञान को सबसे ज्यादा अहमियत दी जा रही है। आधुनिक ज्ञान जहाँ योग्यता पाने के अर्थ तक सिमट कर रह जाता है, वहीं सनातन संस्कृति का ज्ञान लगातार विस्तार के साथ मनुष्य के उत्तरोत्तर विकास का आधार बनता जाता है। लक्ष्मी का अर्थ होता है, शुभ लक्ष्य दिलाने वाली। अर्थात दीपावली के अवसर पर हम देवी लक्ष्मी के रूप में उन गुणों की पूजा करते हैं जो हमें अपने लक्ष्य पर पहुंचाते हैं। लक्ष्मी-तंत्र यही मार्ग दिखाता है ताकि हमारे जीवन की राह भी रोशन हो सके। आपका जीवन भी इन गुणों से जगमगाए, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ दीपोत्सव पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, लेखकों और सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोगियों का हार्दिक अभिनंदन।

जय महेश।

-पुष्कर बाहेती
सम्पादक

सामाजिक सद्भावना बढ़ाएं

वर्तमान समय में तेजी से बदलती हुई परिस्थितियों ने हमारे सामाजिक जीवन में परिवर्तन के रंग भरना शुरू कर दिए हैं। एक ओर हम उन्नति और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं वहीं दूसरी ओर रूढ़ियों, पुरानी मान्यताओं और नकारात्मक सोच से, जितनी उन्नति करते हैं उतना ही एक कदम पीछे चले जाते हैं। माहेश्वरी समाज ने सहिष्णुता, संतोष, त्याग व संघर्षमय जीवन से जो स्वरूप प्राप्त किया है, उसे हम सद्भावना के अभाव व भौतिकता के प्रभाव में विस्मृत करते जा रहे हैं। आज सफल जीवन के लिये योग्यता के साथ-साथ एक दूसरे के प्रति सद्भावना व सकारात्मक सोच होना अति आवश्यक है। समाज के प्रति सेवा और अच्छी भावना रखने वाले व्यक्ति हमेशा संतोषी और सकारात्मक सोच वाले होते हैं। योजना एवं कल्पना करना आवश्यक है, परंतु महत्वाकांक्षा के अनुरूप यदि हमारी योग्यता नहीं है तो हमें असफल ही होना पड़ेगा। ऋषियों के अनुसार वर्तमान में उपलब्ध वस्तुओं से संतोष करके जीना ही उत्तम जीवन है। सही मायने में संयम एवं अनुशासन ही हमको उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। वर्तमान काल में सद्भावना के अभाव में हम द्वेष-लोभ-ईर्ष्या एवं अहंकार के कारण मोह रूपी जाल में फंस जाते हैं जिससे हमारे सामाजिक विकास के सभी रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और इस उलझन से निकलना मुश्किल हो जाता है। भगवान महावीर एवं भगवान बुद्ध ने मानव के दो प्रमुख अवगुण बताए हैं - ईर्ष्या एवं लोभ। माता-पिता अपने पुत्र से न तो ईर्ष्या करते हैं और न द्वेष। हमारा भी पूरे समाज के लिये यही भाव होना चाहिये। जैसे-जैसे हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, नये-नये व्यक्तियों से हमारे संबंध बनते हैं, न संबंधों को अधिक मधुर बनाने के लिये हमें विशेष प्रयास करना चाहिये। अपने मित्रों, परिवारजनों और सहकर्मियों सभी के प्रति अपनी सोच सकारात्मक रखते हुए उन्हें पूरा सम्मान देना चाहिये। हमें दूसरों की संस्कृति से भी अच्छी बातें सीखने का प्रयत्न करना चाहिये। सहनशीलता का विकास करें। सहनशीलता सफलता की सीमा को निर्धारित करती है। हमारा दृष्टिकोण व्यापक रहेगा तो सामाजिक समस्याएं हल करने में आसानी रहेगी। हमारी दृष्टि संकुचित रही तो हमारा जीवन भी संकुचित बन जायेगा तथा हम अपने तक ही सीमित रहेंगे जिससे न तो हम समाज की सेवा कर सकेंगे और न राष्ट्र की। यदि राष्ट्र के समाज रूपी विभिन्न घटक प्रगतिशील व शक्तिशाली होंगे तो राष्ट्र उतना ही उन्नत व शक्तिशाली होगा। आपसी संबंधों पर ही हमारी प्रसन्नता कायम है और यही हमारी सफलता की सीढ़ी है।

इस ज्योति पर्व पर सद्भावना की लौ को अधिक प्रज्ज्वलित करें व समाज को मजबूत बनाएँ।

-बिमला साबू

दिनांक 17 सितम्बर 1949 को रेनवाल में जन्मीं तथा राजस्थान यूनिवर्सिटी से स्नातक श्रीमती बिमला साबू पिछले 20 वर्षों से सामाजिक कार्यों से जुड़ी हुई हैं। आप माहेश्वरी महिला मंडल की संस्थापक अध्यक्षा रहीं तथा गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा के पद पर 4 वर्षों तक रहकर आपने अनेक रचनात्मक कार्य किए। 2002 में आप पश्चिमांचल की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा व 2004 में अखिल भारतीय मोहश्वरी महिला संगठन में राष्ट्रीय महामंत्री के पद लिए मनोनीत हुईं। हाल ही में संपन्न महिला महोत्सव 'मन्थन 2005' में आप अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्षा मनोनीत की गई हैं।

श्रीमती बिमलादेवी साबू
अतिथि सम्पादक

व्यापार के बादशाह माहेश्वरी

■ राजेन्द्र ईनाणी, बागली

माहेश्वरी जाति ने किसी क्षेत्र में अगर सबसे अधिक जौहर दिखाएं हैं तो वह व्यापारिक क्षेत्र है। इस क्षेत्र में इस जाति ने स्वयं को जैसी सफलता दिलाई उसे देखकर दंग रह जाना पड़ता है। उसी का परिणाम है कि आज कोलकाता, मुंबई, सी. पी. बरार, खानदेश, महाराष्ट्र और निजाम स्टेट आदि भारत के सभी व्यापारिक केंद्रों में ऊँची-ऊँची अट्टालिकाओं के बीच इस जाति का वैभव मुस्करा रहा है।

इस वैभव को प्राप्त करने के लिए माहेश्वरी जाति के व्यापार शूरों ने जिन कठिनाइयों के पहाड़ों के बीच में अपना मार्ग बनाया है, उन कठिनाइयों के मुकाबले में तो यह वैभव भी कम दिखाई देता है। फिर भी इसमें संदेह नहीं कि माहेश्वरी जाति के अंदर व्यापार के रुख को पहचानने का एक अद्‌भुत गुण है। इस जाति के विकास के इतिहास को ध्यानपूर्वक देखने से मालूम होता है कि अवसर का लाभ चतुराई से उठाने की वजह से ही इस जाति ने इतनी बड़ी व्यापारिक विजय प्राप्त की है।

पहला गुण इस जाति के अंदर हम देखते हैं कि इस जाति ने हमेशा देश के प्रगतिशील (प्रोग्रेसिव्ह) व्यापार की ओर ध्यान रखा और फिर साहस के साथ उसकी कामयाबी के लिए पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक को एक कर दिया। जिस समय इस जाति ने विदेश में व्यापार के लिए कमर कसी, उस समय भारत में अफ़ीम का व्यापार सबसे प्रधान हो रहा था। यह ऐसा व्यापार था जो लोगों की किस्मत बदल देता था। इस व्यापार का प्रधान केंद्र उस समय मालवा और मुंबई था। देखते ही देखते इस जाति ने इस व्यापार के उज्ज्वल रुख को पहचाना, जिसके परिणामस्वरूप मालवा-मुंबई के प्रधान केंद्रों में माहेश्वरियों की बड़ी-बड़ी गद्दियां दिखलाई पड़ने लगीं और इनके आश्रय में सैकड़ों, हजारों छोटे-छोटे मारवाड़ी शीघ्रता के साथ अपना भविष्य निर्माण करने लगे। कोई मुनीम, गुमास्ता, दलाल तो कोई कृपा पात्र के रूप में। देखते ही देखते माहेश्वरी समाज में कायापलट होने लगा। इस व्यापार को इन लोगों ने पराकाष्ठा पर पहुँचा दिया।

इसके पश्चात, चीन की जनता के आंदोलन और वहाँ की गवर्नमेंट की नीति से, जब इस जाति ने इस व्यापार के कमजोर भविष्य के दर्शन किये तो शीघ्र ही इस व्यापार को छोड़कर उसने दूसरे व्यापार में प्रवेश किया। उन दिनों कोलकाता जूट के व्यापार का और मुंबई रूई के व्यापार का केंद्र बनने की तैयारी कर रहे थे। दूरदर्शी इस जाति ने इस दूरवर्ती

रहस्य को फ़ौरन भाँप लिया और अफ़ीम के व्यापार को धीरे-धीरे छोड़कर अपने कदम इन दोनों व्यापारों में जमा दिए। मगर अफीम की तरह जूट के व्यापार में कामयाबी प्राप्त करना आसान काम न था। इस व्यापार में सफलता प्राप्त करने के लिए बंगाल और आसाम के जूट केंद्रों पर इनको अधिकार जमाना था, जो इनके मुल्क से हजारों मीलों की दूरी पर थे, आने-जाने के साधन न थे, जान-पहचान नहीं थी, रहने के लिए जगह भी नहीं थी, वहाँ की भाषा से परिचय न था और न अंग्रेजी के समान विचार परिवर्तन की भाषा का ही प्रचार था।

बंगाल और असम

मारवाड़ी व्यापारियों को इन मुश्किलों का भय न था, ईश्वर और किस्मत पर उनको विश्वास था। अतीव साहस के साथ इन कर्मशील व्यापारियों ने बंगाल और आसाम में प्रवेश किया। उस समय वहाँ आजकल की तरह स्थान-स्थान पर रमणीय मंडियाँ बसी हुईं नही थी बल्कि बेतों के घनघोर जंगल छाये हुए थे। यहाँ के लोगों को ये लोग अजनबी मालूम होते थे और इन्हें वे लोग अजनबी मालूम होते थे। ऐसी स्थिति में ये लोग वहाँ जाकर रहने लगे। कई लोगों ने तो प्रारंभ में फेरी लगाकर घूम-घूमकर वहाँ के निवासियों में माल सप्लाय करना प्रारंभ

किया। धीरे-धीरे अपनी मिठास और कार्य कुशलता से उन्होंने वहाँ के निवासियों के हृदयों में अपना स्थान कायम किया। कठिनाइयों के भीषण पहाड़ों में इन कर्मवीरों ने विचित्र साहस के साथ अपने पैर जमाये और धीरे-धीरे अपने आसपास के बहुत से देशवासियों को वहाँ लाकर बसा दिया। कहने का मतलब यह है कि उस समय इस जाति में कई ऐसे गुण विद्यमान थे जो उसे शीघ्रता के साथ उन्नति पथ पर लिये जा रहे थे।

मालवा और मुंबई

बंगाल और कोलकाता की ही तरह उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में माहेश्वरी जाति ने मालवा में आकर व्यापार स्थापित करना प्रारंभ किया। उस समय इंदौर, रतलाम, मंदसौर, उज्जैन, चित्तौड़गढ़, कोटा, झालरापाटन, जावद और भीलवाड़ा इत्यादि स्थान अफीम के व्यापार के केंद्र हो रहे थे। उसके बाद ईस्वी सन् 1848 में रेल बननी शुरू हो गई तो मार्ग की कठिनाई कुछ कम होने के कारण मारवाड़ियों की तूती वाणिज्य-व्यापार और अंग्रेजी ऑफिसों में बोलने लगी। आधी शताब्दी के भीतर ही अंग्रेजी ऑफिसों का प्रायः सभी काम मारवाड़ियों के हाथों में आ गया। ऐसा होने का कारण यह था कि मारवाड़ी जाति के तत्कालीन व्यक्ति बड़े परिश्रमी, व्यापारपटु, ईमानदार और सच्चाई से काम लेने वाले थे। इन लोगों में व्यापारिक साहस और जातीयता के भाव इतने थे कि ये समझ लेते थे कि, अमुक भाई धनिक नहीं है किंतु व्यापारपटु है तथा मितव्ययता व परिश्रम से दो रुपये पैदा कर सकता है, तो उसे उधार माल देकर काम में लगा देते थे।

सी.पी. और बरार

सी.पी. और बरार प्रांत में भी माहेश्वरी जाति करीब डेढ़ सौ वर्षों पहले से पहुँचकर अपनी व्यापारिक प्रतिभा द्वारा व्यापार फैलाने लग गई थी। माहेश्वरी समाज का सबसे अधिक संगठन और प्रभाव सी.पी. में ही स्थापित हुआ है। माहेश्वरी जाति के लोगों ने जिस स्थान पर जैसी स्थिति देखी उस स्थान पर उसी तरह से युक्तिपूर्वक काम कर वहाँ का प्रमुख स्थान प्राप्त कर लिया। बरार प्रांत की जमीन बड़ी उपजाऊ है। वहाँ पर माहेश्वरी समाज ने जाकर जमींदारी खरीद ली और बड़े परिमाण पर खेती का कार्य प्रारंभ किया। बड़ी-बड़ी जमींदारी के मालिक होकर कृषि में भी इस जाति ने अपूर्व सफलता प्राप्त की है। बरार प्रांत कपास का प्रधान केंद्र है। यहाँ तक कि अमरावती तो सारे संसार में कपास का दूसरा नंबर का बाजार माना जाता है। इस व्यापार में भी यह जाति पीछे न रही। इस जाति की सैकड़ों जीनिंग प्रेसिंग फैक्टरियाँ और कई कपड़ों की मिलें आज भी सारे प्रांत में जाल की तरह बिछी हुई हैं जो इस जाति के वैभव को बतला रही है। इसी तरह कोल, माइंस, मैग्नीज माइंस आदि के व्यापार में भी इस जाति ने अच्छा हाथ बंटाया है।

खानदेश

अधिकतर मेवाड़ के माहेश्वरी सज्जन देश से खानदेश में जाकर बसे। वहाँ पर इन्होंने बड़े परिमाण में कृषि करने का बीड़ा उठाया। इन लोगों ने वहाँ जाकर वहाँ की भाषा, रहन-सहन और सभ्यता में अपने आपको इतना अधिक घुला-मिला दिया है कि आज यह निर्णय करना कठिन हो जाता है कि ये लोग अंतरप्रांतीय है या यहीं के निवासी। यहाँ आकर ये लोग उत्साह और परिश्रम के साथ कृषि में जुट गये और बहुत बड़े-बड़े परिमाण में खेती का कार्य उठाया। बैंकिंग व्यापार तो इस जाति का एक पुष्ट अंग है। आज तो इस प्रांत में प्रायः क्या सार्वजनिक क्षेत्र में, क्या राजनैतिक क्षेत्र में और क्या व्यापारिक क्षेत्र में सभी तरफ माहेश्वरी जाति की ही प्रधानता है।

निजाम स्टेट और महाराष्ट्र

इस जाति के कर्तव्यपरायण पुरुषों ने निजाम स्टेट और महाराष्ट्र में उस समय अपने कदम जमाये थे जिस समय वहाँ अराजकता का दौर था, चारों ओर लूट-खसौट हो रही थी, एक स्थान से दूसरे स्थान को जाने के लिए कोई सुविधाजनक जरिया न था। ऐसे कठिन समय में सुदूर दक्षिण स्थित निजाम स्टेट और महाराष्ट्र में जाकर वहाँ की अनेकों कठिनाइयों का साहसपूर्वक सामना करते हुए वहाँ पर इन लोगों ने व्यापार स्थापित किया। इसी प्रकार जाति के साहसी व्यापारी महाराष्ट्र प्रांत में भी करीब दो सौ सालों पहले आये जिनमें पोकरण निवासी सेठ हरिकिशनदास राठी का नाम विशेष उल्लेखनीय है। इन्होंने उस समय में अपने हुंडी के व्यापार को निमोन में इतना अच्छा संगठित किया था कि जिससे ये निमोन और आसपास के क्षेत्र में हुंडी वाले के नाम से मशहूर हो गए थे। धीरे-धीरे इन प्रांतों के माहेश्वरी व्यक्तियों ने अपने यहाँ हजारों एकड़ भूमि में कृषि बढ़ाई और बड़े-बड़े फलों के बगीचे लगाए एवं हजारों एकड़ भूमि में कृषि कार्य स्थापित किए। इसी भांति संवत् 1200 के लगभग इस प्रांत में कोलवार माहेश्वरियों का आगमन शुरू हुआ, इनके अलावा देशवाली माहेश्वरी 250-300 साल पहले यहां आए। इनके पश्चात करीब 100-125 वर्ष पूर्व बीहेर माहेश्वरी, जैसलमेरी माहेश्वरियों ने भी यहां आकर व्यवसाय जारी किया।

दीपोत्सव के पावन पर्व पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक मंगलकामनाएं

अध्यक्ष
लायन्स क्लब उज्जैन सुरभि
ट्रस्टी
अ.भा. माहेश्वरी सेवा संस्थान
डायरेक्टर
उज्जैन औद्योगिक विकास नागरिक सहकारी बैंक
पूर्व अध्यक्ष
माहेश्वरी मेवाड़ा थोक महिला मण्डल

'प्रेम सागर', बी-2/13, महानंदा नगर, उज्जैन
फोन - 0734-2510008

बिक्री प्रतिनिधि चाहिए

टेंडर्स/स्क्रेप की साप्ताहिक पत्रिका 'कॉस्मो वर्ल्ड'
को अपने विस्तार के लिए देशभर में
बिक्री प्रतिनिधि चाहिए।
बिक्री प्रतिनिधि के लिए आवेदन हेतू सम्पर्क करें।

सम्पर्क

कॉस्मो वर्ल्ड

'कास्मो भवन', ए-1/7, भोसले पॅरेडाईज, हॉटेल सिम्फनी के पास, रेंज हिल रोड, पुणे - 411020
फोन - 020-25535607 मोबाईल - 98230-81160
E-mail : cosmo@pn3.vsnl.net.in
web : ecosmoworld.com

माँ कुलदेवी - 4

फलौदी माताजी

■ नाम

फलौदी माताजी - हेड़ा, धूपड़, जाजू, समदानी, खटोड़, तुलावटिया, कयाल, मालानी, लोसल्या, गाँधी और टुवाणी आदि खाँप की कुलदेवी है।

माताजी का मंदिर राजस्थान के जोधपुर जिले से लगभग 105 किमी दूर मेड़ता रोड नामक छोटे से गाँव में स्थित है। मंदिर का निर्माण राजा नाहड़ राव परिवार द्वारा करवाया गया। उस समय फलौदी गाँव में फलौदी माता का एक कच्चा थान बना हुआ था। राजा ने उस कच्चे थान को एक छोटे मंदिर का रूप दे दिया जिसके पास ही, एक तालाब व एक बावड़ी भी खुदवाई जो आज भी मौजूद है।

अनूठा तोरण द्वार

विक्रम संवत् 1013 में मंदिर बनवाने के पश्चात शीघ्र ही उस मंदिर में माँ फलौदी ब्रह्माणीजी की प्रतिष्ठा कराई, उस वक्त प्रतिष्ठा के लिए रत्नावली (रूण) नगरी से भोजक केशवदासजी के पुत्र लंकेसरजी को लेकर यहाँ आए और यहाँ प्रतिष्ठा कराई तथा बाल भोग के लिए उस वक्त राजा नाहड़ राव ने 52 हजार बीघा जमीन माताजी के नाम अर्पण की, जिसका सम्पूर्ण अधिकार लंकेसरजी को सौंपा। जिस वक्त राजा ने मंदिर की प्रतिष्ठा कराई, उसी दौरान एक तोरण द्वार यादगार के रूप में मंदिर के बाहर बनवाया गया जो कि प्राचीन संस्कृति एवं कलात्मकता का एक अद्‌भुत नमूना था जो 9 चरणों में बँटा हुआ एक विशाल स्तम्भ दिखाई देता था। उसकी ऊँचाई उस वक्त 85 फुट थी। बाद में इस तोरण का उपयोग विशाल द्वीप स्तम्भ के रूप में किया जाने लगा। आसपास के इलाके के राजा, महाराजा अपने किलों (गढ़) के ऊपर खड़े होकर विशाल दूरबीनों की सहायता से नवरात्रि पर्व के समय माताजी की ज्योत के दर्शन करते थे जो इस तोरण के सबसे ऊपरी हिस्से पर दर्शन हेतु रखी जाती थी।

काले खाँ को सबक

विक्रम संवत् 1014 को भोजक केशवदासजी, किरतोजी, बलदेवजी व सुमेरजी आदि ने मिलकर वैशाख सुदी तीज सोमवार को कुलदेवी फलदायनी के नाम से

काले खाँ स्वयं मंदिर के अंदर गया तथा मंदिर जिन चार प्रमुख खम्भों पर खड़ा था उनको तुड़वाना शुरू किया। तीन खम्भे तोड़े जा चुके थे। तब काले खाँ ने माताजी की मूर्ति तोड़ने की नीयत से गर्भगृह में प्रवेश करना चाहा उसी समय माँ भवानी फलदायिनी स्वयं प्रकट होकर क्रोध से दहाड़ उठीं और उन्होंने काले खाँ को जहाँ खड़ा था वहीं जमीन से चिपका दिया। काले खाँ अपनी पूरी ताकत लगाकर हार गया उसने निराश होकर माँ भवानी के चरणों में अपना शीश झुकाकर स्वयं को मुक्त करवाने हेतु प्रार्थना की।

फलौदी नाम का गाँव बसाया जो आज मेड़ता रोड कहलाता है। विक्रम संवत् 1633 में बादशाह अकबर की फौज फलौदी (मेड़ता रोड) से होकर गुजरी। फौज के सूबेदार काले खाँ की नज़र दूर से ही मंदिर के पास बने कलात्मक व 85 फीट ऊँचे भव्य तोरण पर पड़ी। काले खाँ स्वयं मंदिर के अंदर गया तथा मंदिर जिन चार प्रमुख खम्भों पर खड़ा था उनको तुड़वाना शुरू किया। तीन खम्भे तोड़े जा चुके थे। तब काले खाँ ने माताजी की मूर्ति तोड़ने की नीयत से गर्भगृह में प्रवेश करना चाहा उसी समय माँ भवानी फलदायिनी स्वयं प्रकट होकर क्रोध से दहाड़ उठीं और उन्होंने काले खाँ को जहाँ खड़ा था वहीं जमीन से चिपका दिया। काले खाँ अपनी पूरी ताकत लगाकर हार गया उसने निराश होकर माँ भवानी के चरणों में अपना शीश झुकाकर स्वयं को मुक्त करवाने हेतु प्रार्थना की। तब माताजी ने उसे लूटपाट व मारकाट बंद करवाने को कहा। जब काले खाँ के आदेश से लूटपाट बंद हुई तब तक तोरण द्वार का मात्र एक हिस्सा बचा रह गया जो आज भी अपनी जगह विद्यमान है और इसी तरह मंदिर के अन्दर भी एक ही स्तम्भ सुरक्षित रहा जो आज भी स्थित है। मंदिर प्रांगण में ही ठहरने के लिए 15 कमरे बने हुए हैं। भोजन प्रसाद की भी अच्छी व्यवस्था है।

नवरात्रि उत्सव

इस मन्दिर में नवरात्रि पर्व का अपना विशिष्ट स्थान है। वर्ष में दो बार यहाँ नवरात्रि पर्व चैत्र बदी अमावस्या से प्रारम्भ होकर सप्तमी तक चलता है। द्वितीय नवरात्रि पर्व आसोज बदी अमावस्या से लेकर सप्तमी तक चलता है। इस दौरान अमावस्या से लेकर छट तक किसी प्रकार का भोग व प्रसाद माताजी के नहीं चढ़ता। सप्तमी के दिन माताजी को भोग लगता है। इस मन्दिर में भारत के कोने-कोने से यात्री व भक्त आते हैं और माँ के दरबार में मन माँगी मुरादें पूरी पाते हैं। नवरात्रि पर्व के समय यह मन्दिर एक मेले का रूप ले लेता है। वर्तमान समय में कुछ उत्साही युवकों द्वारा सही मार्गदर्शन कराने से यात्रियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है तथा मन्दिर विकास कार्य भी तीव्र गति से प्रारंभ हुए हैं।

कैसे पहुंचे-

ग्राम मेड़ता रोड (फलौदी) जोधपुर से 105 किलोमीटर, बीकानेर से 162 किलोमीटर तथा अजमेर से लगभग 95 किलोमीटर दूर स्थित है। ट्रेन द्वारा जोधपुर, बीकानेर या अजमेर पहुँचकर यहाँ से बस, किराए या स्वयं के चौपहिये वाहन द्वारा यहाँ पहुँचा जा सकता है।

पत्र व्यवहार का पता - व्यवस्थापक, ब्राह्मणी माता मंदिर, मेड़ता रोड, नागौर, फोन-01591-276285

समाचार

भक्ति रस का आनंद लिया समाजबन्धुओं ने

भोंपूजी (साबूजी) की भजन संध्या सम्पन्न

उज्जैन। माहेश्वरी मेवाड़ा नवयुवक मंडल द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर देश के प्रसिद्ध भजन गायक श्री हरिकिशन जी साबू (भोंपूजी) की भजन संध्या का आयोजन स्थानीय चारभुजानाथ मंदिर गोलामण्डी परिसर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उज्जैन जिला माहेश्वरी के गोविंद मोहता, विशेष अतिथि म.प्र. पश्चिमांचल महिला मंडल की अध्यक्षा डॉ. वैजयंती माहेश्वरी, श्री माहेश्वरी टाईम्स के संस्थापक एवं पूर्व म.प्र.पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री मदनलाल पलौड़ थे। कार्यक्रम का शुभारंभ युवा मंडल के अध्यक्ष श्री संजय मूंदड़ा (नट्टू), मुख्य संयोजक लोकेंद्र भूतड़ा एवं पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत कर किया। तत्पश्चात अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्री मोहताजी ने अपने उद्‌बोधन में आयोजकों को बधाई दी एवं कार्यक्रम की सराहना की। विशेष अतिथि डॉ. वैजयंती माहेश्वरी ने युवा मंडल के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी द्वारा भजन संध्या का आयोजन इस देश की संस्कृति एवं परंपराओं को जीवित रखने का एक अच्छा प्रयास है। आप ने सभी युवा साथियों को इस सुंदर आयोजन हेतु साधुवाद दिया। श्री मदनलाल पलौड़ जी ने अपने उद्‌बोधन में युवा मंडल को बधाई देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक है, मैंने अपने सार्वजनिक जीवन में ऐसा कार्यक्रम पहली बार देखा है जो समाज के लोगों को भक्ति रस के प्रति आकर्षित करेगा। भजन संध्या का प्रारंभ गणेश वंदना से हुआ। तत्पश्चात हरिकिशन साबूजी (भोंपूजी) ने अपनी जादुई आवाज से ऐसा मोहित किया कि समाजजन देर रात भक्ति रस का रसास्वादन करते रहे और यहाँ तक की कई लोग अपना अहंकार छोड़कर झूम उठे। इस आयोजन का समाज के लोगों के साथ कई धर्मप्राण लोगों ने भी आनंद लिया और कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत के अध्यक्ष श्री श्यामसुंदर भूतड़ा, माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री गजानन मूंदड़ा, श्री सुरेश लड्ढा एवं कई समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

माहेश्वरी महिला मंडल का मुफ्त चिकित्सा शिविर

जलगांव। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा आयोजित ओंकारनाथ मूंदडा की स्मृति में मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वश्री डॉ. विद्याधर नवाल, योगेश बसेर, सविता चांडक, प्रीति कोगटा, राजश्री लढ्ढा, अरूण माहेश्वरी, अंतिम सोमानी, मीनल सोमानी, के.एम.झंवर, के.एन.दहाड, सूरज मंडोरा, विश्वनाथ सोमानी, मोहनलाल देवपुरा, सुशील मंत्री आदि उपस्थित थे। माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा साधना मूंदडा द्वारा आयोजित इस शिविर को सफल बनाने के लिए राजश्री सोमानी, मीना मूंदडा, तारा सोमानी, ऊषा बंग, लता जाखेटे, सीमा न्याती, संगीता काबरा आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया ।

श्री मदनलाल मानधन्या धार जिलाध्यक्ष पद पर निर्विरोध नियुक्त

बाग। माहेश्वरी समाज बाग के अध्यक्ष श्री मदनलाल मानधन्या को कांग्रेस कमेटी की नेता श्रीमती जमुनादेवी द्वारा धार जिलाध्यक्ष पद पर निर्विरोध नियुक्त किया गया। सरल स्वभाव एवं गंभीर कार्यशैली के पोषक श्री मानधन्या जहाँ गत 25 वर्षों से कांग्रेस की राजनीति और ग्रामीण अंचल के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं वहीं माहेश्वरी समाज बाग के अध्यक्ष के रूप में आप पिछले 20 वर्षों से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। इस शुभ अवसर पर प्रतिपक्ष नेता जमुनादेवी ने कहा कि आगामी चुनाव में कांग्रेस वापस सत्ता में आएगी। इसके लिए हमें श्री मानधन्या जैसे सिपहसालार की जरूरत थी जो धार जिले में फिर से कांग्रेसी परचम लहरा दे।श्री मानधन्या की इस उपलब्धि पर अनेक कांग्रेसी नेताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत किया व इष्ट मित्रों ने बधाई दी।

शरदोत्सव का आयोजन

पुरदिलपुर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शरदपूर्णिमा के आयोजन भजन कीर्तन से प्रारंभ होकर रात्रि 12 बजे भगवान कृष्ण-राधा की आरती के साथ संपन्न हुए। मटरुमलजी जाखेटिया हुए। प्रतिष्ठित मंदिर में सदैव की भांति कार्यक्रम हुए एवं जन समुदाय को भोग प्रसाद वितरित कराया। व्यवस्था कार्यों में सहयोग सर्वश्री आशुतोष, कमल, गोपाल, सचिन आदि जाखेटिया बन्धुओं को रहा। उक्त मंदिर के प्रबन्धक का कार्य सेठ धनश्यामदास जाखेटिया ने आजीवन संभाला।

महेश बैंक का बीमा क्षेत्र में प्रवेश

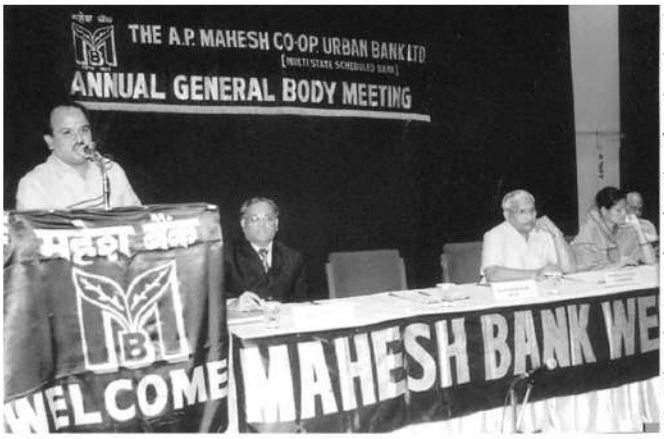

हैदराबाद। दि ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 29वीं वार्षिक साधारण सभा गत 28 सितंबर को बैंक के अध्यक्ष श्री रमेशकुमार बंग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। चेयरमेन श्री रमेशकुमार बंग ने वार्षिक कार्य विवरण की जानकारी देते हुए बैंक की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बैंक की कुल जमा प्राप्तियाँ 352 करोड़ रुपये और ऋण स्वीकृतियाँ 158 करोड़ रुपये हैं। वित्त वर्ष 2004-05 में बैंक ने 4 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। उन्होंने कहा कि बैंक का शुद्ध अनुत्पादक ऋण **0%** है। वर्तमान में बैंक की कुल 30 शाखाएँ आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में कार्यशील हैं। बैंक की सभी शाखाओं में एन.आर.ई/एन.आर.ओ. डिपॉजिट की सुविधा उपलब्ध है।

उन्होंने बैंक की भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बैंक लाभ में वृद्धि हेतु आर्थिक वर्ष 2005-06 में बाजारीकरण के विशेष प्रयासों द्वारा ऋण स्वीकृतियों में वृद्धि का प्रयास किया जाएगा। बैंक ने बीमा क्षेत्र की मैक्स न्यूयार्क लाइफ इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड से अनुबंध किया। जीवन बीमा उत्पादों की वृद्धि हेतु बाजारीकरण और वितरण में कमीशन आधारित नीति को अपनाया है, जिससे कि बैंक के शुद्ध लाभ में वृद्धि हो। उन्होंने आगे कहा कि बैंक द्वारा विगत 27 वर्षों से निरंतर अपने ग्राहकों को लाभांश दिया जा रहा है, इस वर्ष **15%** लाभांश की घोषणा की। बैंक ने अपनी सभी शाखाओं में आर.टी.जी.एस. की सुविधा प्रारंभ की है। इस सुविधा के अंतर्गत ग्राहक मात्र 4 घंटे में अपनी राशि को देश में कहीं भी, कहीं से भी स्थानांतरित कर सकते हैं अथवा प्राप्त कर सकते हैं। सभा का संचालन बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक आर.एस.जाजू ने किया और सीनियर वाइस चेयरमेन पुरुषोत्तमदास मानधना ने उपस्थित अंशधारकों, पूर्व निदेशकों एवं पदाधिकारियों का बैंक की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महासभा की बैठक हुई

अजमेर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में आयोजित प्रादेशिक कार्यकारिणी समिति की बैठक में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा से पधारे सभापति श्री चुन्नीलाल सोमानी, उपसभापति (पश्चिमांचल) रामपाल सोनी, महामंत्री श्यामसुंदर सोनी,संगठन मंत्री जी.डी. सारडा, संयुक्त मंत्री राधेश्याम परवाल, अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष अनिल मानधनी व प्रदेश सभा के अध्यक्ष के.जी. गट्टानी तथा रामकुमार भूतड़ा अध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा भगवान महेश की पूजा-अर्चना के पश्चात सभा की कार्यवाही प्रारंभ की गई। बैठक में प्रदेश प्रबंधकारिणी समिति द्वारा पारित वर्ष 2004-05 के ऑडिटेड हिसाब को ध्वनि मत से स्वीकार किया गया। प्रदेश मंत्री श्री कैलाशचंद्र तापड़िया के प्रस्ताव पर कार्यकारिणी व प्रबंधकारिणी पदाधिकारियों का कार्यकाल 1 वर्ष के लिए बढ़ाए जाने को ध्वनि मत से स्वीकृति प्रदान की गई। महासभा से पधारे सभी पदाधिकारियों ने सदन की भावना को देखते हुई घोषणा की कि राजस्थान प्रदेश का विभाजन नहीं होगा। इस घोषणा का सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

चुनाव सम्पन्न

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति व कार्यमंडल की बैठक में चुनाव संपन्न हुए जिसमें अध्यक्ष पद पर कैलाश काबरा, गुवाहाटी, मंत्री पद पर भगवानदास दम्माणी, शिवसागर, कोषाध्यक्ष पद पर द्वारकाप्रसाद मिमाणी, गुवाहाटी व सहमंत्री पद पर हरिप्रसाद सोमानी, तेजपुर निर्वाचित हुए। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा में 25 वें सत्र के लिए कार्यसमिति सदस्य के लिए श्रीराम अवतार सारड़ा, बरपेटारोड का चयन हुआ। पूर्वोत्तर माहेश्वरी सेवा न्यास के चुनाव में अध्यक्ष पद पर काशीराम सोमानी, जोरहाट, मंत्री पर ओमप्रकाश अटल, जोरहाट व कोषाध्यक्ष पद पर भगवानदास दम्माणी शिवसागर का चयन किया गया।

डॉ. बाहेती द्वारा बीजोपचार पद्धति से इलाज

पचोर। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों व समाजसेवी और व्यापारीगणों के सहयोग से डॉ. सत्यनारायणजी बाहेती कोलकाता द्वारा अपने सहयोगी डॉक्टर के साथ 7 दिवसीय बीजोपचार पद्धति से निःशुल्क असाध्य रोगों का इलाज किया गया। शिविर में इलाज के दौरान तीन दिन तक 'प्रशिक्षण शिविर' का आयोजन कर अनेकानेक लोगों को प्रशिक्षित भी किया गया। इसी दौरान राजगढ़ जिला माहेश्वरी सभा के जिला सम्मेलन के अवसर पर डॉ. बाहेती का जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कृष्णदास राठी, पूर्व अध्यक्ष डॉ. हृदयनारायण माहेश्वरी, गोविंददास सोमानी ने नगर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रमेश परतानी का आभार व्यक्त करते हुए शाल-श्रीफल द्वारा सम्मानित किया।

इस स्तम्भ के लिए पाठक अपने क्षेत्र के समाचार भेज सकते हैं। समाचार संक्षिप्त, तथ्यपरक और सारगर्भित हो। आवश्यक पाए जाने पर ही फोटो प्रकाशित किए जाएंगे। -संपादक

नूतन विद्यालय के नये भवन का भूमिपूजन

हालोल। स्वर्गीय गंगादेवी पन्नालालजी सोमानी, नूतन विद्यालय के नये भवन का भूमिपूजन पूज्यपाद गोस्वामी 108 श्री ध्वारकेशलालजी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। चालीस साल बाद विद्यालय को अपना भवन दिलाने का यश स्व.गंगादेवी पन्नालालजी सोमानी के परिवारजनों को जाता है। कार्यक्रम का आरंभ बालिकाओं द्वारा ईश प्रार्थना, स्वागत गीत तथा मनमोहक नृत्य के साथ हुआ।

अलीराजपुर निवासी उद्योगपति श्री गेंदालालजी सोमानी ने परम पूज्य महाराजश्री का परिचय दिया। शाला के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री मधुवनदास ने शाला की शुरुआत से आज तक का विस्तृत परिचय दिया।

पूज्यपाद श्री ध्वारकेशलालजी महाराजश्री ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि शिक्षण के जरिए समाज और युवकों को अच्छी राह पर ले जाने की कोई कड़ी है तो वह विद्यालय है। इस अवसर पर श्री गेंदालालजी सोमानी तथा श्रीमधुवनजी शाह का सम्मान किया गया। विशेष अतिथि श्री डी.के.देसाई थे। उद्योगपति रामनिवास राठी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। ट्रस्टी श्री गिरीश शाह ने आभार माना तथा संचालन श्री निराली शाह ने किया।

श्री माहेश्वरी मारवाड़ी समाज के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष

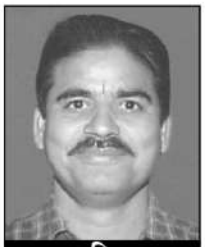
सचिव

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मारवाड़ी समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव स्थानीय श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर छोटा सराफा में श्री राजेन्द्र कोठारी के मार्गदर्शन में निर्विरोध सम्पन्न हुए।

अध्यक्ष पद हेतु रामबाबू बियाणी, उपाध्यक्ष वामन गोपाल लड्ढा, सचिव ओमप्रकाश काबरा, सहसचिव कैलाशचंद्र जैथलिया, कोषाध्यक्ष नारायणदास जाजू तथा कार्यकारिणी के सदस्यों में रूपनारायण झंवर, सुरेश काकाणी, मंगलप्रसाद भट्टड़, महेशकुमार चांडक, नरेन्द्र राठी, दिनेश लड्ढा, राजेश जाजू, मुकेश मालानी एवं राधेश्याम चोखड़ा निर्वाचित किए गए। पूर्व अध्यक्ष श्री शरद मोहन झंवर एवं पूर्व सचिव नवनीत काबरा ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई दी एवं निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने पर धन्यवाद प्रकट किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रामबाबू बियाणी ने पूर्व पदाधिकारियों एवं चुनाव अधिकारी श्री राजेन्द्रजी कोठारी को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया और कहा कि मेरे एवं मेरे पदाधिकारियों द्वारा हमारे कार्यकाल में समाज हित में अच्छे से अच्छे कार्य किए जाकर एवं समाज के सभी वरिष्ठ सदस्यों एवं अन्य संगठनों, महेश पारमार्थिक न्यास, महिला मंडल, वाचनालय एवं ग्रंथालय युवा मंडल एवं युवती मंडल का उचित मार्गदर्शन एवं सहयोग लेकर तथा सभी संगठनों के साथ मिल-जुलकर समाज को उन्नति एवं विकास की ओर अग्रसर करने का प्रयत्न करेंगे। तत्पश्चात अध्यक्ष श्री बियाणी द्वारा सभा सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

नि:शुल्क उपचार शिविर

नीमच। माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एक्यूप्रेशर एवं सुजोक पद्धति द्वारा निःशुल्क उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 1050 मरीजों ने उपचार करवाया। सुजोक पद्धति के विशेषज्ञ श्री शिवकुमार तिवारी ने बताया कि वे अब तक 1500 से अधिक शिविर देश के विभिन्न राज्यों में लगा चुके हैं। शिविर की अभूतपूर्व सफलता से प्रभावित होकर रोटरी क्लब, नीमच ने आगामी 10 दिनों के लिए शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया है।

व्यंग्यकार सुभाष काबरा का सम्मान

हरदा। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा हास्य व्यंग्य के अग्रज कवि श्री सुभाष काबरा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें स्थानीय माहेश्वरी समाज की प्रतिभाओं ने अपनी प्रस्तुति देकर वातावरण कवि सम्मेलनमय बना दिया। जिनमें समाज के सचिव महेश सादानी, कोषाध्यक्ष महेश मूंदड़ा, सह सचिव पूनम सोमानी, युवा मंडल कोषाध्यक्ष विजय बजाज, उपाध्यक्ष जयकृष्ण चांडक और संजीव मूंदड़ा शामिल हैं। अंतिम दौर में सुभाष काबरा ने अपने अनुभव, हास्य व्यंग्य की कविताएँ, क्षणिकाएँ, व्यंग्य आदि सुनाकर सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने अब तक लगभग 1200 कवि सम्मलेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया है तथा देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में उनकी रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं। वरिष्ठ ट्रस्टी वल्लभदास कोठारी, जयनारायण मूंदड़ा, समाज के मार्गदर्शक पुरुषोत्तमदास काबरा, अध्यक्ष विजय कुमार चांडक, महिला मंडल की उपाध्यक्षा श्रीमती निश्चला राठी सहित समाज के कई पुरुष-महिलाएँ और बच्चे इस आयोजन में शामिल थे। माहेश्वरी समाज की ओर से उन्हें शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी युवा मंडल के निर्देशक सुरेश मूंदड़ा ने किया एवं आभार सुशील राठी ने माना।

मधुमेह एवं हृदयरोग जाँच शिविर तथा लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

बुरहानपुर। श्री माहेश्वरी महिला प्रगति मंडल बुरहानपुर द्वारा दिनांक 25/09/05 को मधुमेह एवं हृदय रोग जाँच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 52 मरीजों के खून एव कार्डियोग्राम की जाँच की गई। सभी रोगियों को आवश्यक परामर्श एवं बीमारियों से बचाव के लिए जानकारी दी गई। शिविर में अखिल भारतीय महासभा के प्रतिनिधि श्री रेवंतमलजी तापड़िया एवं हरिप्रसादजी लखोटिया उपस्थित थे।

दिनांक 2 अक्टूबर को स्थानीय निमाड़ हॉस्पिटल में नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 150 मरीजों की आँखों की जाँच कर, 52 मरीजों का चयन कर लैंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन किए गए। इस शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ.के.पी.श्रोत्रिय, डॉ. रमेश सोमानी एवं निमाड़ हॉस्पिटल के संचालक डॉ. आय.एल.मूंदड़ा का विशेष सहयोग रहा। शिविर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री रेवतमलजी तापड़िया माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष श्री ओमजी मूंदड़ा, सदस्य श्री गौरीशंकर जी मोहता, श्री हरिजी लखोटिया, श्री सुनीलजी मूंदड़ा अध्यक्ष युवा मंडल एवं श्री माहेश्वरी महिला प्रगति मंडल बुरहानपुर के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

श्रीमती करवा महाराष्ट्र प्रदेश महिला संगठन अध्यक्ष नियुक्त

संगमनेर। दिनांक 7 अगस्त को संगमनेर (महाराष्ट्र) में प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक संपन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्षों के लिए श्रीमती निर्मला करवा को महाराष्ट्र प्रदेश महिला संगठन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। श्रीमती निर्मला करवा वर्तमान में आर्दश महिला सहकारी गृह उद्योग संस्था की संस्थापक अध्यक्ष हैं। उन्हें सन् 1998 में समाज भूषण, 1998-99 में अहिल्याबाई होल्कर पुरस्कार, 2002 में समाज रत्न तथा 2004 में महाराष्ट्र एकता गौरव पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती ललिता मालपानी ने की।

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा की बैठक सम्पन्न

बुरहानपुर। विगत दिनों बुरहानपुर में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें कार्यकारी मंडल सदस्य के लिए श्री रेवंतमल तापडिया को निर्विरोध निर्वाचित हुए किया गया।

पिछले सत्र में भी आप कार्यकारी मंडल के सदस्य रहे हैं। आप राजस्थान में ग्राम साण्डवा (चूरु जिला) के मूल निवासी हैं। वहाँ पर भी आप माहेश्वरी समाज की प्रत्येक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं।

आप बुरहानपुर टेक्सटाइल्स एसोसिएशन के भी कार्यकारिणी सदस्य हैं। उनके पुनः चुने जाने पर उनके साथी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सामूहिक विवाह का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर मैरिज ब्यूरो द्वारा जयपुर में दसवां सामूहिक विवाह का आयोजन आगामी 12 नवंबर को किया जा रहा है। जिसका पंजीयन शुल्क 2100/- रू. प्रति पक्ष रखा गया है। विवाह संबंधित समस्त सामग्री, बैंड, तोरण, घोड़ी आदि की व्यवस्था समिति द्वारा की जाएगी। ***पंजीयन के लिए संपर्क-*** अध्यक्ष रामस्वरूप कोठ्यारी फोन नं.-2593299, 2572694, मो. 9414060716.

माहेश्वरी भवन निर्माण

दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण से माहेश्वरी भवन के लिए एक भूखंड मिला जिसका रुपया जमा कर भूखंड पर कब्जा ले लिया है तथा निर्माण कार्य शुरू हो गया है। दिल्ली क्षेत्र में यह प्रथम माहेश्वरी भवन होगा। ये भवन कल्याण विहार में होगा। प्रधान मुरली मनोहर करवा, उपप्रधान मोहन कासट व जगदीश मंत्री सुशील माहेश्वरी, उपमंत्री जगदीश सारड़ा, कोषाध्यक्ष- ओम प्रकाश करनानी है।

पचोर माहेश्वरी समाज के चुनाव सम्पन्न

पचोर। माहेश्वरी समाज के चुनाव निर्विरोध रूप से सम्पन्न हुए जिसमें अध्यक्ष रमेश परतानी, उपाध्यक्ष विनोद राठी, सचिव विष्णु गट्टानी, कोषाध्यक्ष जगदीश बाहेती और सहसचिव कमलेश काग्या निर्विरोध निर्वाचित किए गए। जिला प्रतिनिधि हेतु कालूराम काकानी एवं श्री कृष्णदास राठी चुने गए। युवा संगठन के चुनाव में अध्यक्ष राधेश्याम बाहेती, उपाध्यक्ष दिनेश काकानी, सचिव बाबूलाल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष संजय भट्टर एवं सह-सचिव नवनीत माहेश्वरी तथा जिला प्रतिनिधि हेतु रिपुदमन माहेश्वरी एवं महेश काकानी प्रतिनिधि घोषित किए गए। माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव में अध्यक्ष श्रीमती सरिता काग्या, उपाध्यक्ष गायत्री काकानी, सचिव रीटा राठी, कोषाध्यक्ष किरन गट्टानी, सह-सचिव राजकुमारी सोमानी एवं जिला प्रतिनिधि हेतु श्रीमती जमनादेवी परतानी एवं अलका देवी बागड़ी चयनित हुईं।

माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप की नवीन कार्यकारिणी गठित

अध्यक्ष

सचिव

कोषाध्यक्ष

नागदा। माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वानुमति से किया गया जिसमें अध्यक्ष-अशोक सुषमा बिसानी, उपाध्यक्ष- प्रवीण पूजा राठी, सचिव - अजय सीमा राठी, सहसचिव - मनोज सुनीता राठी, कोषाध्यक्ष-पंकज प्रभा मोहता, सहकोषाध्यक्ष-विजय सुनीता अजमेरा, प्रवक्ता-झमक सुषमा राठी निर्देशक-राजेश विजया माहेश्वरी, घनश्याम सुनीता राठी, दिनेश किरण कलंत्री, सलाहकार-प्रदीप सरोज राठी, राजेन्द्र प्रीति मालपानी, देवानंद भारतीय जाजू एवं सांस्कृतिक सचिव-मुकेश अलका नवाल, टेमर-अभय रेखा मालानी, खेलकूद सचिव-नवनीत अर्चना राठी को मुख्य अतिथि उज्जैन जिला माहेश्वरी समाज जिलाध्यक्ष गोविन्दलाल मोहता ने शपथ दिलायी। विशेष अतिथि माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला डांगरा एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल सदस्य श्रीमती अनिता राठी थी।

गत वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी अध्यक्ष दिनेश किरण कलंत्री एवं सचिव रिपोर्ट विमल कंचन मूंदड़ा तथा लेखा जोखा कोषाध्यक्ष संजय रीता डांगरा ने प्रस्तुत किया। नंदकिशोर लीला मालपानी ने सुन्दर भजन प्रस्तुत किये। महाभारत एवं रामायण के आधार पर क्विज कार्यक्रम में सभी महिलाओं एवं बच्चों ने हिस्सा लिया। हाऊजी का सफल संचालन राजेश ज्योति मोहता ने किया। नवीन अध्यक्ष अशोक सुषमा बिसानी ने अपने भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। यह जानकारी नवीन सहसचिव उमेश रीतू सोडानी ने दी।

छात्रों के लिए जरूरी है कम्प्यूटर शिक्षा

कासगंज। अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के कम्प्यूटर सांइस विषय के चेयरमेन श्री शैलेष माहेश्वरी ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता बच्चों का समारोह में सम्मान करने के अवसर पर कहा कि आज कम्प्यूटर का युग है। छात्रों को इसमें दक्ष होना चाहिये। आप श्री सुमन्त कुमार माहेश्वरी इंटर कालेज में सुमंत कुमार माहेश्वरी एवं सुराजदेवी की स्मृति में पुरस्कार वितरण करने पधारे थे। प्रधानाचार्य रविकांत माहेश्वरी ने विद्यालय की प्रगति से अवगत कराया और आभार व्यक्त करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किये। कार्यक्रम में सर्वश्री केशव देव बिड़ला, प्रबंधक पुरुषोत्तम दास सारड़ा, सत्यनारायण बिड़ला, पंकज मालू, योगेन्द्र पाल काबरा, सुनील काबरा, बहोरीलाल जाखेटिया (पत्रकार एवं व्यवस्थापक महिला समिति) एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रीति क्लब की सांस्कृतिक संध्या सम्पन्न

इंदौर। एक सौ सदस्य दंपत्ति वाले माहेश्वरी प्रीति क्लब की सांस्कृतिक संध्या में लगान डांडिया प्रतियोगिता श्री विजय-विजय न्याति ने जीत ली। द्वितीय स्थान श्री मनोज-सुनिता जाखेटिया ने प्राप्त किया।

प्रारंभ में संस्था अध्यक्ष दामोदर-[illegible] असावा, सचिव द्वारका-जयश्री राठी एवं संयोजकद्वय मुकेश-संगीता कचोलिया व अतुल-अंजना माहेश्वरी द्वारा भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। राधा कृष्ण स्वांग स्पर्धा में छोटे बच्चों में साक्षी जाखेटिया प्रथम, आकांक्षा माहेश्वरी द्वितीय स्थान पर रही। बड़े बच्चों में उत्कर्ष भलिका एवं वरुण न्याति ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कजरारे-कजरारे फैशन शो में संस्था की अनुश्री सोमानी, कु.अपूर्वा असावा, कु.आयुषी राठी, कु.स्नेहा कचोलिया, कु. मेघा असावा, कु.रागिनी मालपानी, कु. स्वेता शारदा एवं कु. नुपुर माहेश्वरी ने मोहक प्रस्तुति दी। ओपन डांडिया गरबा महारास में ९० जोड़े थिरके एवं उसमें से बेस्ट मेल सुरेश महेता, बेस्ट फिमेल श्रीमती बबीता न्याति, बेस्ट बॉय सौरभ असावा, बेस्ट गर्ल आयुषी राठी, बेस्ट ड्रेस अप मेल भरत सारड़ा व बेस्ट बॉय ड्रेस अप फिमेल के लिए श्रीमती मीना राठी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में प्रतियोगिता की निर्णायक श्रीमती डॉ. उज्ज्वला कटारिया एवं मीनाक्षी वर्मा थी। संचालन मुकेश-संगीता कचोलिया व अतुल-अंजना माहेश्वरी ने किया। आभार सुनील-संध्या सोमानी ने माना।

विशाल परिचय सम्मेलन का आयोजन

इन्दौर। श्री माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ सेवा ट्रस्ट द्वारा विशाल परिचय सम्मेलन का आयोजन स्थानीय मल्हार गार्डन में किया गया। सम्मलेन का उद्घाटन 15 अक्टूबर को श्री नथमल डालिया के मुख्य आतिथ्य में सुबह 10.30 बजे हुआ। स्वागत ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष श्री रामवल्लभ गुप्ता ने किया। ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह 18वाँ परिचय सम्मेलन था। तीन दिनी सम्मेलन में लगभग 2400 प्रत्याशियों की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। ट्रस्ट द्वारा परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी करवाया गया था जिसमें लगभग दो हजार प्रत्याशियों के फोटो एवं पत्रिका थी। तीन दिनी सम्मलेन में परिचय पुस्तिका की सहायता से भी माता-पिता अपनी संतान के लिए योग्य जीवन साथी तलाश रहे थे। पंडाल में लगभग 50 क्लोज सर्किट टीवी लगाए गए थे जिन पर प्रत्याशियों की जानकारी दी जा रही थी। मंच के पास मेगा स्क्रीन लगा था। प्रत्याशियों ने मंच पर आकर बारी-बारी से अपना परिचय दिया। बाहर से आने वाले प्रत्याशियों एवं उनके परिजनों के रहने की व्यवस्था पंडाल के आस-पास बने गार्डनों में की गई थी।

दिनांक 17 अक्टूबर को परिचय सम्मेलन का समापन किया गया। तीन दिनी सम्मेलन में सैकड़ों संबंध तय हुए। समापन अवसर पर रात महागरबा का आयोजन किया गया। इसमें समाज के विभिन्न संगठनों की ओर से आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

सामूहिक गोठ एवं महेश मेला सम्पन्न

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा स्वजातिय बंधुओं की सामूहिक गोठ एवं महेश मेले का आयोजन श्री माहेश्वरी विद्यालय प्रांगण में किया गया। इस विशाल आयोजन में लगभग 15000 स्वजातीय बन्धुओं ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

प्रमुख रत्न व्यवसायी परमानन्द दास मालपानी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजन के विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण गुप्ता थे। अतिथियों का स्वागत समाज अध्यक्ष रामस्वरूप कोठ्यारी, मुख्यमंत्री सुभाष सिंगी, संगठन व प्रचार मंत्री गोपा लाल मालपानी, गोठ संयोजक श्यामदास मंत्री, मेला संयोजक विष्णु लड्ढा आदि ने किया। अतिथियों ने भगवान महेश की पूजा और आरती की।

श्री मालपानी ने इस अवसर पर समाज को 51 हजार रुपये देने की घोषण की। श्री गुप्ता ने अपने उद्बोधन में समाज बन्धुओं को आह्वान किया कि प्रांत की समस्याओं के हल के लिए राज्य सरकार को तन, मन, धन से सहयोग करें।

कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष चुन्नीलाल सोमानी, अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष अनिल मानधन्या, रामदास अग्रवाल (अध्यक्ष अ.भा. वैश्य महासभा), मोहनदास अग्रवाल (अध्यक्ष राजस्थान प्रादेशिक वैश्य महासभा), गिरधारी लाल भार्गव (सांसद), कालीचरण सर्राफ (विधायक), मोहनलाल गुप्ता (विधायक), सुरेन्द्र पारीक (विधायक) एवं राजस्थान सरकार के उच्चाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मेला स्थान पर विविध प्रकार की स्टालें लगाई गई थी। राधाष्टमी होने के कारण भक्ति संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा भक्ति रस की गंगा बहाई गई। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये।

वरिष्ठ नागरिक परिषद् में श्री लखोटिया की नियुक्ति

दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित की अध्यक्षता में गठित प्रथम वरिष्ठ नागरिक परिषद् के सदस्य के रूप में सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं वरिष्ठ आयकर सलाहकार श्री रामनिवास लखोटिया को नियुक्त किया गया है। परिषद् की प्रथम बैठक मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान दिलवाने एवं सुविधाएँ प्रदान करने हेतु एक वृहद नीति को स्वीकृति प्रदान की गई। इस नियुक्ति पर श्री लखेटिया को सभी शुभचिंतकों ने बधाई दी।

बहु उपयोगी ब्लड कार्ड का विमोचन

इन्दौर। माहेश्वरी युगल्स द्वारा बहु उपयोगी ब्लड कार्ड का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि एम.डी. पुष्पा गांधी थी व अध्यक्षता मुकेश-नीलिमा असावा ने की। विशेष अतिथि माहेश्वरी समाज इन्दौर के अध्यक्ष रामवल्लभ-सुभद्रा गुप्ता थे। राजकुमार-कनकलता साबू विशेष रूप से उपस्थित थे। अध्यक्ष चंद्रककांता हेड़ा ने बताया उक्त कार्ड में सौ कपल्स का ब्लड ग्रुप मय फोन नंबर अंकित है। अतिथि स्वागत अश्विन-बबीता लखोटिया, मनीष-सोनल बिसानी, मनीष-कल्पना जाखेटिया आदि ने किया। स्मृति चिन्ह राकेश-अनीता जाखेटिया, मनीष-ममता न्याती आदि ने प्रदान किये। संचालन गौरव-विधु भूतड़ा ने किया। आभार राजेश-मोनिका आगार ने

बड़ी तीज पर मिलन समारोह आयोजित

श्रीमती ऊषा परवाल

खंडवा। श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा बड़ी तीज पर मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें भुट्टे के व्यंजन, सावन के झूले व भजन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रीति राठी व द्वितीय श्रीमती मनीषा भदादा ने जीता।

भजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सौ. स्तुति राठी व द्वितीय स्थान पर सौ.भावना मूंदड़ा ने कब्जा किया। सखी मंडल द्वारा बेस्ट मेचिंग स्पर्धा रखी गई जिसमें प्रथम सपना काकाणी व द्वितीय स्तुति राठी रहीं। इसके पूर्व पश्चिमांचल में खंडवा से सौ. ऊषा परवाल, सौ.निर्मला काबरा, सौ. अरुणाजी बाहेती, श्रीमती पुष्पा राठी, सौ.कमला भदादा, सौ. आभा गोराणी व मनीषा गाँधी ने महू जाकर उपस्थिति दर्ज कराई। खंडवा से मिससे माहेश्वरी चुनी गईं, सौ. आभा गोराणी व मनीषा ने पश्चिमांचल में भी मिसेज मोहश्वरी में जीत हासिल की, अकोला में महिला महोत्सव-2005 में भी माहेश्वरी महिला मंडल खंडवा की अध्यक्षा सौ.ऊषा परवाल, श्रीमती अरुणा बाहेती, सौ. निर्मला काबरा, श्रीमती आभा गोराणी व मनीषा गाँधी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पश्चिमाचंल से मिसेस माहेश्वरी चुनी गईं, सौ. आभा गोराणी, मनीषा गाँधी ने अकोला में भी भाग लिया।

जन्माष्टमी के अवसर पर माहेश्वरी मंदिर श्री सत्यलक्ष्मीनारायण में फूल बंगला हुआ जिसमें सभी बहनों ने स्वेच्छा से दान स्वरूप राशि दी। जन्माष्टमी पर महिला मंडल द्वारा भजन का कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी समाज की बहनों ने भाग लिया।

गणेश उत्सव कार्यक्रम में युवा संगठन द्वारा कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की तथा सुंदर झाँकियाँ सजाई गईं।

नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

राजसमन्द। श्री महेश प्रगति संस्थान राजसमंद का नवरात्रि महोत्सव एवं गरबा नृत्य का दो दिवसीय आयोजन रामचंद्र झंवर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। दूसरे दिन के विशिष्ट अतिथि बालमुकुन्द असावा थे। इस मौके पर आयोजित फैंसी ड्रेस स्पर्धा में बालक समूह में प्रथम गुरुषा गट्टानी, द्वितीय हर्षिता हींगड़, तृतीय प्रियंका बिड़ला, युवा समूह में प्रथम शालू असावा, द्वितीय प्रीति नवाल, तृतीय रुचित असावा व अरुण गट्टाणी, गरबा नृत्य महिला समूह में प्रथम श्रीमती चंदा देवपुरा, द्वितीय श्रीमती दीपिका देवपुरा, तृतीय खुशबू काबरा, पुरुष समूह में प्रथम पवन हींगड़, द्वितीय महेश काबरा व प्रतीक माहेश्वरी, तृतीय दिलीप कोठारी, बेस्ट कपल नृत्य में प्रथम पवन हींगड़ व रेणु हींगड़, द्वितीय खुशबू काबरा व डोली काबरा, तृतीय निरंजन असावा व श्रीमती सुशीला असावा विजयी रहे। संचालन महिला मंडल जिलाध्यक्ष श्रीमती डॉ. सुशीला असावा एवं श्री महेश महिला प्रगति संस्थान अध्यक्ष श्रीमती सरोज गट्टाणी ने किया।

श्री दाड़ उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त

जालना। जालना के श्री विजय दाड़ को जालना मर्चेन्ट को-ऑपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। श्री दाड़ जालना जिला माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष हैं तथा रेड स्वस्तिक सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष है। इस अवसर पर श्री दाड़ को उनके मित्रों एवं इष्टजनों ने बधाई दी।

गांधी जयंती मनाई

लखनऊ। ट्रान्स गोमती माहेश्वरी समाज ने गांधी जयंती बाल मद्यानन्द अनाथ आश्रम में धूमधाम से मनायी। इस अवसर पर समाज के सभी सदस्यों ने स्वयं अनाथ बच्चों को भोजन कराया। अंशू माहेश्वरी ने मिष्ठान, राजेश माहेश्वरी एवं कमल काबरा ने फल, अश्विनी भुराड़िया ने बिस्कुट व कपड़े वितरित किये। इस अवसर पर हरिकृष्ण राठी, देवी प्रसाद माहेश्वरी, डी.पी. माहेश्वरी, परमानन्द माहेश्वरी, शलभ माहेश्वरी, नन्दकिशोर पेड़ीवाल, विनोद माहेश्वरी, अजय माहेश्वरी, श्रीराम जाजू, विनय गट्टानी, चन्द्रप्रकाश माहेश्वरी, बनवारी सोमानी व प्रदीप झंवर आदि उपस्थित रहे।

उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

उज्जैन। म.प्र. पश्चिमांचल महिला मंडल की अध्यक्षा डॉ. वैजयंती माहेश्वरी की अध्यक्षता में उज्जैन जिला माहेश्वरी समाज के चुनाव सम्पन्न हुए, जिसमें सर्वानुमति से नागदा की अनिता माहेश्वरी अध्यक्ष एवं श्रीमती रमा लड्ढा सचिव चुनी गईं। आपके मनोनयन पर उज्जैन माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत के अध्यक्ष श्यामसुंदर भूतड़ा, मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री रामबाबू बियाणी, श्री मदनलाल माहेश्वरी, श्री गजानन मूंदड़ा, श्री सुरेश लड्ढा, श्रीमती सुधा बाहेती आदि ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी है।

नागपुर माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष

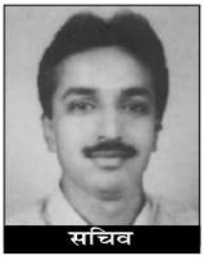
सचिव

नागपुर। नागपुर नगर माहेश्वरी सभा अंतर्गत विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की दिनांक 9 अक्टूबर 2005 को सम्पन्न हुई सर्व साधारण सभा में आगामी कार्यकाल हेतु अध्यक्ष के रूप में मधुसुदन सारडा व सचिव सुधीर बाहेती को सर्वानुमति से चुना गया।

सर्वप्रथम नागपुर नगर माहेश्वरी सभा की सभा में पिछली आमसभा की कार्यवाही व सचिव सत्यनारायण राठी ने सचिव रिपोर्ट व कोषाध्यक्ष सुधीर बाहेती ने आय-व्यय का विस्तृत ब्योरा पढ़ा। अध्यक्ष गोविंद मंत्री के भाषण के बाद सभा की कार्यवाही चुनाव अधिकारी श्री राकेाश भैया व श्री मदनमोहन डागा ने सम्भाली। चुनाव प्रक्रिया के बाद आगामी तीन वर्षों के लिए चुनाव सर्वानुमति से किया गया जिसमें अध्यक्ष मधुसुदन सारडा, उपाध्यक्ष अशोक तापड़िया, उपाध्यक्ष सत्यनारायण राठी, सचिव सुधीर बाहेती, सह-सचिव गिरधर चांडक, सह-सचिव दिनेश राठी, कोषाध्यक्ष अजय मल, प्रचार मंत्री गिरधर डागा, संगठन मंत्री संजय राठी व कार्यकारिणी सदस्यों में मांगीलाल बजाज, हरिप्रसाद राठी, विजय राठी, जगदीश बंग आदि को चुना गया। नागपुर जिला माहेश्वरी सभा से विट्ठलदास लोया, गोविंद मंत्री, विनय मोहता, चंद्रप्रकाश चांडक माहेश्वरी महिला समिति से श्रीमती शांति देवी कोठारी व श्रीमती कमलेश बियाणी, नागपुर नगर माहेश्वरी गौरव गरिमा मंच से युवा प्रतिनिधि के रूप में मनीष पनपालिया व आशीष सारडा आदि सदस्यों के नाम आमंत्रित कर कार्यकारिणी हेतु स्वीकृत किए गए। सभा में लगभग 172 सदस्यों ने भाग लिया व समाज की प्रगति हेतु अपने अमूल्य सुझाव पेश किए।

माहेश्वरी प्रगति मण्डल द्वारा गोठ का आयोजन

विजयानगरम। श्रावण मास के शुभ अवसर पर विजयानगरम एवम् श्रीकाकुलम जिला के माहेश्वरी समुदाय की दिनांक 15 अगस्त को वार्षिक गोठ का आयोजन माहेश्वरी प्रगति मण्डल, विजयानगरम के तत्वावधान में अति हर्ष और उल्लास के साथ स्थानीय शैव स्थल पुण्यगिरी में सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में माहेश्वरी समुदाय के सभी सदस्यों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर कार्यक्रम का शुभारम्भ जातीय ध्वजारोहण से हुआ। कार्यक्रम मे महिलाओं तथा बच्चों की भागीदारी असाधारण थी। महिलाओं तथा बच्चों के लिये कई खेल तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। गत वर्ष 7वीं तथा 10वीं बोर्ड की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्र तथा छात्राओ को सम्मानित किया गया। मण्डल के सदस्य श्री अरविन्द मोदी के पुत्र चि. श्रेय मोदी को आई.आई.टी., खड़गपुर में स्थान प्राप्त करने के लिये तथा श्री राजेन्द्र कुमार मोदी के पुत्र चि. विक्रम मोदी को बिट्स, पिलानी मे स्थान पाने के लिये सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पधारे सभी सदस्यों को भी श्री माहेश्वरी टाईम्स पत्रिका से परिचित कराया गया तथा पत्रिका की पूरी जानकारी दी गई। पत्रिका की प्रथम प्रतियाँ मण्डल के पूर्व सभापति श्री जवाहरलाल राठी तथा अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद काबरा को प्रदान की गई। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने में सचिव श्री गौरी शंकर मालु, सदस्य श्री राजाराम राठी, श्री गोपालदास डागा, श्री जुगलकिशोर तोषणीवाल, तथा अन्य सदस्यों का काफी योगदान रहा।

श्री चारभुजा पद्यात्रा

रतलाम। हृदय में प्रभु दर्शन की उत्कण्ठित लालसा, भुजाओं में जोश और शक्तिमय वाणी से श्री चारभुजा का जयघोष। ये मनोभाव थे रतलाम से प्रभु श्री चारभुजा नाथ के दर्शनार्थ एवम् जलझूलनी एकादशी महोत्सव में प्रतिवर्ष की भांति भाग लेने जा रहे चार सौ पांच भक्तजनों के जत्थे के। यात्रा के निर्धारित पड़ावों की व्यवस्था की जानकारी यात्रा प्रमुख किशनलाल सोडानी, धर्मचन्द्र मण्डोवरा, राधेश्याम काबरा (जावदवाले), कृष्णवल्लभ बाहेती (राजोद वाले) ने दी।

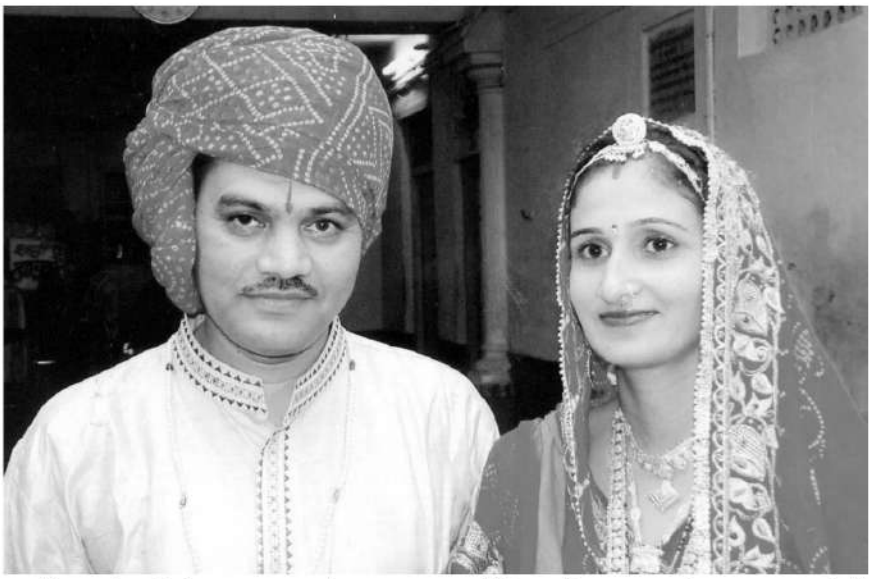

उज्जैन माहेश्वरी मेवाड़ा युवा मंडल द्वारा आयोजित श्रेष्ठ मारवाड़ी युगल स्पर्धा में श्रीमती एवं राजेन्द्र समदानी (युवा अभिभाषक) ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

नागपुर माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष

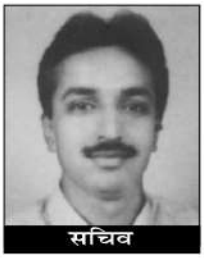
सचिव

नागपुर। नागपुर नगर माहेश्वरी सभा अंतर्गत विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की दिनांक 9 अक्टूबर 2005 को सम्पन्न हुई सर्व साधारण सभा में आगामी कार्यकाल हेतु अध्यक्ष के रूप में मधुसुदन सारडा व सचिव सुधीर बाहेती को सर्वानुमति से चुना गया।

सर्वप्रथम नागपुर नगर माहेश्वरी सभा की सभा में पिछली आमसभा की कार्यवाही व सचिव सत्यनारायण राठी ने सचिव रिपोर्ट व कोषाध्यक्ष सुधीर बाहेती ने आय-व्यय का विस्तृत ब्योरा पढ़ा। अध्यक्ष गोविंद मंत्री के भाषण के बाद सभा की कार्यवाही चुनाव अधिकारी श्री राकेाश भैया व श्री मदनमोहन डागा ने सम्भाली। चुनाव प्रक्रिया के बाद आगामी तीन वर्षों के लिए चुनाव सर्वानुमति से किया गया जिसमें अध्यक्ष मधुसुदन सारडा, उपाध्यक्ष अशोक तापड़िया, उपाध्यक्ष सत्यनारायण राठी, सचिव सुधीर बाहेती, सह-सचिव गिरधर चांडक, सह-सचिव दिनेश राठी, कोषाध्यक्ष अजय मल, प्रचार मंत्री गिरधर डागा, संगठन मंत्री संजय राठी व कार्यकारिणी सदस्यों में मांगीलाल बजाज, हरिप्रसाद राठी, विजय राठी, जगदीश बंग आदि को चुना गया। नागपुर जिला माहेश्वरी सभा से विट्ठलदास लोया, गोविंद मंत्री, विनय मोहता, चंद्रप्रकाश चांडक माहेश्वरी महिला समिति से श्रीमती शांति देवी कोठारी व श्रीमती कमलेश बियाणी, नागपुर नगर माहेश्वरी गौरव गरिमा मंच से युवा प्रतिनिधि के रूप में मनीष पनपालिया व आशीष सारडा आदि सदस्यों के नाम आमंत्रित कर कार्यकारिणी हेतु स्वीकृत किए गए। सभा में लगभग 172 सदस्यों ने भाग लिया व समाज की प्रगति हेतु अपने अमूल्य सुझाव पेश किए।

माहेश्वरी प्रगति मण्डल द्वारा गोठ का आयोजन

विजयानगरम। श्रावण मास के शुभ अवसर पर विजयानगरम एवम् श्रीकाकुलम जिला के माहेश्वरी समुदाय की दिनांक 15 अगस्त को वार्षिक गोठ का आयोजन माहेश्वरी प्रगति मण्डल, विजयानगरम के तत्वावधान में अति हर्ष और उल्लास के साथ स्थानीय शैव स्थल पुण्यगिरी में सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में माहेश्वरी समुदाय के सभी सदस्यों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर कार्यक्रम का शुभारम्भ जातीय ध्वजारोहण से हुआ। कार्यक्रम मे महिलाओं तथा बच्चों की भागीदारी असाधारण थी। महिलाओं तथा बच्चों के लिये कई खेल तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। गत वर्ष 7वीं तथा 10वीं बोर्ड की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्र तथा छात्राओ को सम्मानित किया गया। मण्डल के सदस्य श्री अरविन्द मोदी के पुत्र चि. श्रेय मोदी को आई.आई.टी., खड़गपुर में स्थान प्राप्त करने के लिये तथा श्री राजेन्द्र कुमार मोदी के पुत्र चि. विक्रम मोदी को बिट्स, पिलानी मे स्थान पाने के लिये सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पधारे सभी सदस्यों को भी श्री माहेश्वरी टाईम्स पत्रिका से परिचित कराया गया तथा पत्रिका की पूरी जानकारी दी गई। पत्रिका की प्रथम प्रतियाँ मण्डल के पूर्व सभापति श्री जवाहरलाल राठी तथा अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद काबरा को प्रदान की गई। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने में सचिव श्री गौरी शंकर मालु, सदस्य श्री राजाराम राठी, श्री गोपालदास डागा, श्री जुगलकिशोर तोषणीवाल, तथा अन्य सदस्यों का काफी योगदान रहा।

श्री चारभुजा पद्यात्रा

रतलाम। हृदय में प्रभु दर्शन की उत्कण्ठित लालसा, भुजाओं में जोश और शक्तिमय वाणी से श्री चारभुजा का जयघोष। ये मनोभाव थे रतलाम से प्रभु श्री चारभुजा नाथ के दर्शनार्थ एवम् जलझूलनी एकादशी महोत्सव में प्रतिवर्ष की भांति भाग लेने जा रहे चार सौ पांच भक्तजनों के जत्थे के। यात्रा के निर्धारित पड़ावों की व्यवस्था की जानकारी यात्रा प्रमुख किशनलाल सोडानी, धर्मचन्द्र मण्डोवरा, राधेश्याम काबरा (जावदवाले), कृष्णवल्लभ बाहेती (राजोद वाले) ने दी।

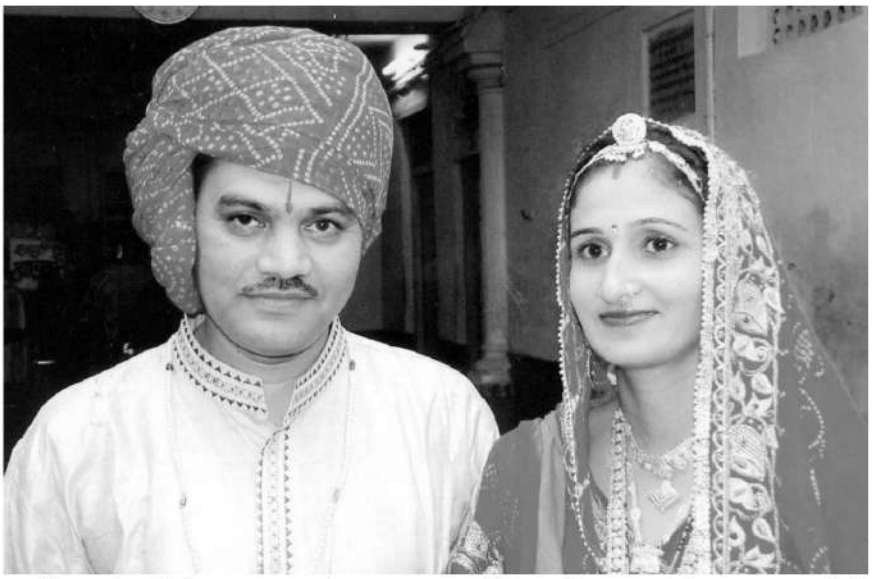

उज्जैन माहेश्वरी मेवाड़ा युवा मंडल द्वारा आयोजित श्रेष्ठ मारवाड़ी युगल स्पर्धा में श्रीमती एवं राजेन्द्र समदानी (युवा अभिभाषक) ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

उज्जैन जिला माहेश्वरी समाज का शपथ-विधि समारोह सम्पन्न

उज्जैन। जिला माहेश्वरी समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री गोविंद मोहता एवं उनकी कार्यकारिणी का शपथ विधि कार्यक्रम स्थानीय माहेश्वरी धर्मशाला गोलामंडी में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री मदनलालजी पलौड़ एवं पश्चिमांचल महिला मण्डल की अध्यक्षा डॉ. वैजयंती माहेश्वरी थीं। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों का पुष्पाहारों स्वागत किया गया। तत्पश्चात शपथ अधिकारी श्री पलौड़ जी ने सभी पदाधिकारियों को ईश्वर की शपथ दिलाते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी जिले में समाज बन्धुओं के हित में पूर्ण मनोयोग से कार्य करें। सभी पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे तन-मन-धन से पूरी तरह समाज की सेवा के लिए संकल्पित हैं। जिलाध्यक्ष श्री गोविंद मोहता ने पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश लड्ढा के द्वारा नियोजित कार्य को आगे बढ़ाने एवं समाज में कुछ अच्छे कार्य करने का संकल्प लिया। आपने कहा कि जिले से एक डायरेक्टरी का प्रकाशन होना है जिससे कि समाजबन्धु एक-दूसरे से सम्पर्क कर दूरियाँ कम कर सकें।

शरदोत्सव का आयोजन

खंडवा। श्री माहेश्वरी मंडल खंडवा द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर को स्थानीय माहेश्वरी भवन में शरदोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें रात्रि 8.30 बजे माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा आकर्षक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम तथा गणेश उत्सव पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित भी किए गए। कार्यक्रम के अंत में रात्रि 10 बजे महाआरती की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया।

श्री संजय झँवर अध्यक्ष, श्री जाखेटिया प्रबंधक मनोनीत

पुरदिलपुर। श्री गांधी राष्ट्रीय इन्टरकालीन की प्रबंध समिति के निर्वाचन में अध्यक्ष पद पर श्री संजय झँवर एवं श्री आनंदप्रिय जाखेटिया को प्रबंधक चुना गया। वर्ष 1947 में स्थापित विद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उक्त संस्था के सेठ घनश्यामदास जाखेटिया संस्थापक आजीवन प्रबन्धक रहेंगे।

उ.प्र. पश्चिमी महिला मण्डल की विशेष बैठक सम्पन्न

पुरदिलपुर। माहेश्वरी महिला मण्डल, पुरदिलनगर से श्रीमती मधु काकाणी, रेखा जाखेटिया, उपाध्यक्ष, मुख्य सचिव ज्ञानदेवी जाखेटिया, उपसचिव माण्डवी माहेश्वरी सहित दिनांक 16 अक्टूबर को मोदीनगर में आयोजित पश्चिमी उ.प्र. की विशेष बैठक सम्पन्न हुई। श्रीमती उर्मिला चांडक एवं श्रीमती कान्ता जी पश्चिमी उ.प्र. महिला संगठन की अत्यन्त सक्रिय अध्यक्षा एवं मंत्राणी के पद पर हैं। उनके निर्देशन में यह संगठन अत्यन्त सक्रिय रहा है।

BOBBY
AACHAR & FOODS
सभी प्रकार के अचार, पापड़, बीसवन के निर्माता
27, कालिदास मार्ग, फ्रीगंज,
मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-(दु.) 2526173
(नि.) 2521075 मो. 94251-95804

वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ का सम्मान दिवस मना

अकोला। जागतिक वरिष्ठ नागरिक दिवस 1 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ। 2 अक्टूबर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान दिवस मनाया गया। अक्टूबर मास में अपने जीवन के 75 वर्ष पूर्ण करने जा रहे 2 महानुभवों का शाल एवं श्रीफल देकर सत्कार किया गया तथा सितम्बर मास में जिनका जन्मदिन आ चुका था उन सभी माहेश्वरी बन्धुओं का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

इस मौके प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शंकरलाल चांडक ने कहा वरिष्ठ होना हम सबकी नियति है। समाज में वरिष्ठों को मुख्य धारा में सक्रिय बनाये रखने की व्यवस्था बनाने की नितान्त आवश्यकता है। सक्रियता ही सम्मान और वह सब कुछ दिलाती है जिसकी आदमी को जरूरत है। मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय की स्थानीय सहसंचालिका सारिका दीदी थी। अतिथि परिचय नारायणदासी मालू ने दिया। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. सरोज राठी ने भी अपने विचार रखे। संचालन सचिव चोथमल सारड़ा व आभार प्रदर्शन महिला प्रकोष्ठ सचिव श्रीमती राजकुंवरबाई लड्ढा ने किया। सत्कार सभारंभ मुरलीधर लड्ढा के मार्गदर्शन में हुआ।

श्री मुछाल का अभिनंदन

डीडवाना। श्री माहेश्वरी डीडवाना पंचायत 51 घर थोक इन्दौर द्वारा पूर्व अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी हरिकिशन मुछाल का अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीनिवास मालपानी थे। अध्यक्षता कमलाप्रसाद काबरा ने की। अभिनंदन पत्र का वाचन प्रहलाददास जाखेटिया ने किया। स्वागत भाषण रामवल्लभ गुप्ता ने दिया। आभार श्रीराम झंवर ने माना।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का भव्य उद्घाटन

जलगांव। अनेक उद्योगों के कारण मारवाड़ी समाज पूरे देश में बिखरा हुआ है और तुलनात्मक रूप से अप्रगत है। उसे प्रगति पथ पर लाने के लिये सभी का सकारात्मक रूप से एकजुट होना, यह समय की पुकार है, जरुरत है। यह विचार अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सावित्री बाफना ने व्यक्त किये।

स्थानीय यश प्लाजा मे 'स्वर्णिम श्री 2005' का प्रांतीय लघु उदयोजक महिला शिविर व सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान श्रीमती बाफना ने कहा - मन मे आत्मविश्वास जगाकर सफलता प्राप्त करने को सतत प्रयत्नशील रहना और समर्पण की भावना रखना चाहिये, एकता व विश्वास से ध्येय प्राप्त होता है। जलगांव शाखा अध्यक्षा संतोष देवी नवाल अध्यक्ष स्थान पर थी, जलगांव महापौर आशा कोटके, संगीता अग्रवाल, नयनतारा बाफना, प्रांतीय अध्यक्षा स्मिता चेचानी, पूर्व प्रांतीय अध्यक्षा रजनी मोहता नव नियुक्त प्रांतीय अध्यक्षा कुमकुम अग्रवाल, प्रांतीय उदयोजक व सांस्कृतिक शाखा सलाहकार राजकुमारी बाल्दी, पदमा सिंगी, रेखा राठी आदि उपस्थित थे। राजकुमारी बाल्दी ने उदयोजक शिविर व महिला सम्मेलन का विवरण किया। प्रांतीय अध्यक्ष चेचाणी ने कहा इस तरह के सम्मेलन व शिविर से महिलाओं में आत्मविश्वास जागृत होकर प्रेरणा मिलती है। मेहंदी प्रदर्शन का उद्घाटन महापौर आशा ताई कोल्हे ने किया। उन्होंने सम्मेलन को शुभेच्छा दी व सभी तरह की सहायता का वचन दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन संगीता मंडोवरा ने किया।

चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष | सचिव

पुसद। स्थानीय गजानन मंदिर में प्राध्यापक श्री सी.डी.राठी की अध्यक्षता में माहेश्वरी समाज की आमसभा सम्पन्न हुई जिसमें पुसद तहसील माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों के चुनाव हुए। यवतमाल जिला माहेश्वरी सभा की ओर से प्राचार्य टी.एन.बूब को चुनाव अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में यवतमाल से अशोक भंडारी पधारे थे। पुसद तहसील माहेश्वरी सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष-श्री सत्यनारायण सोनी, उपाध्यक्ष-श्री नारायण राठी, डॉ. संजय भांगडे, सचिव-डॉ. हितेन्द्र राठी, कोषाध्यक्ष-डॉ. विजय जाजू, सहसचिव-श्री गोविंद राठी, श्री राहुल बजाज को चुना गया।

दो कन्याओं वाले माता-पिता का सत्कार

जलगांव। आदर्श नगर माहेश्वरी मंडल का प्रोत्साहनकारी उपक्रम जलगांव आदर्श माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से दो लड़कियों वाले माता-पिता का सत्कार महेश प्रगति मंडल में किया गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थान पर किरण झंवर थी।

लड़का-लड़की भेदभाव न करते हुये समान रूप से उनका संयोजन किया जाये ऐसा आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम में 15 पालकों का सत्कार किया गया। स्वाति सोमानी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन सुनंदा राठी ने किया एवं आभार छाया झंवर ने माना।

श्री महेश प्रगति संस्थान के चुनाव सम्पन्न

राजसमन्द। संस्थान के द्विवार्षिक चुनाव गोविन्दनारायण अजमेरा के सानिध्य में सम्पन्न हुए, जिसमें अध्यक्ष सत्यप्रकाश काबरा, सचिव रामगोपाल सोमानी, उपाध्यक्ष कमलेश बल्दवा, हरिभगवान बंग, सहसचिव लक्ष्मीलाल ईनाणी, कोषाध्यक्ष चतुर्भुज गट्टाणी निर्वाचित किये गये। अध्यक्ष श्री काबरा ने 20 कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किये। महिला मंच अध्यक्ष श्रीमती सरोज गट्टाणी, उपाध्यक्ष श्रीमती यामिनी राठी, श्रीमती अरुणा सोमानी, सचिव श्रीमती रेणु हींगड़, सह-सचिव श्रीमती पुष्पा तोतला, श्रीमती उषा दरगड़, कोषाध्यक्ष श्रीमती राधिका लड्ढा तथा 15 कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किये गये। युवा मंच में अध्यक्ष श्यामसुन्दर काबरा, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार सारडा, सचिव पवन कुमार हींगड़ तथा 17 कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किये गये।

दीपावली मंगल मिलन उत्सव

गाजियाबाद। माहेश्वरी समाज गाजियाबाद द्वारा 22 अक्टूबर को दीपावली मंगल मिलन उत्सव मनाया गया जिसमें बच्चों के लिए विशेष आकर्षण झूले थे। इसके अलावा बच्चों के नृत्य कार्यक्रम, जादूगर, पपेट शो, तम्बोला आदि के साथ हस्तशिल्प, खान-पान आदि के स्टाल भी लगाए गये। यह जानकारी प्रधान रमाकान्त माहेश्वरी व सचिव सुशील माहेश्वरी ने दी।

उपलब्धि

अभिषेक सोमानी

रतलाम। श्री गुरु तेगबहादुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र अभिषेक सोमानी ने पुनर्मूल्यांकन के बाद हायर सेकंडरी परीक्षा के विज्ञान समूह में प्रथम स्थान किया। पुनर्मूल्यांकन के दौरान अभिषेक को रसायनशास्त्र में 68 के स्थान पर 69 अंक प्राप्त हुए। मुख्य परिणामों में कुल 450 में से 423 अंक प्राप्त कर इस विद्यालय के ही स्वर्णिम पुरोहित पहले स्थान पर थे, तब एक अंक बढ़ने के बाद से अभिषेक ने भी 423 अंक अर्जित करते हुए पहला स्थान पा लिया है। इस उपलब्धि पर उनके पिता श्री वी.के.सोमानी एवं विद्यालय के शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

डॉ. ऋचा काबरा सम्मानित

बड़नगर। ख्याति प्राप्त चिकित्सक डॉ. वासुदेव काबरा की सुपुत्री डॉ. ऋचा काबरा को राजस्थान स्वास्थ्य सेवा केन्द्र द्वारा एक्यूप्रेशर चिकित्सा में उल्लेखनीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया। राजधानी जयपुर में सम्पन्न सम्मान समारोह में डॉ. ऋचा काबरा को राजस्थान की महामहिम राज्यपाल श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। सुश्री ऋचा की इस गौरवमयी उपलब्धि से चिकित्सा जगत व नगरवासियों में हर्ष है। डॉ. ऋचा काबरा सामाजिक गतिविधियों में भी भाग लेकर अग्रणी रही हैं। इष्ट मित्रों व बड़नगर समाज बंधुओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ उन्हें बधाई दी व इसी तरह समाज का गौरव बढ़ाने की प्रेरणा अन्य समाज के व्यक्तियों को भी दी गई

अजय माहेश्वरी

राजामूंदरी। आंध्र पेपर मिल्स राजामूंदरी में कार्यरत श्री सत्यनारायण माहेश्वरी के सुपुत्र अजय माहेश्वरी ने पिछले दिनों लंदन के चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउन्ट्स से इन्टरमीडिएट की परीक्षा पहली बार में पास कर विश्व में 7वां स्थान प्राप्त किया। इस परीक्षा में विश्वभर से 4409 छात्रों ने परीक्षा दी थी। उल्लेखनीय है कि अजय माहेश्वरी ने **ICWA** की परीक्षा में भारत में तीसरा स्थान बनाया था। वर्तमान में आप अहमदाबाद में टारेन्ट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

नितिन काबरा

जलगांव। भारत सरकार विधि व न्याय मंत्रालय की ओर से श्री नितिन काबरा को पाँच साल के लिये नोटरी पद पर नियुक्त किया गया है।

उनकी नियुक्ति से जिले के लोगों को प्रतिज्ञापत्र, मृत्युपत्र, विदेश में भेजे जाने वाले दस्तावेज आदि महत्वपूर्ण कागजात साक्षांकीत करने की सुविधा प्राप्त होगी। श्री नितिन काबरा वर्तमान में महेश नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष है व यूथ होस्टल के सक्रिय सभाप्रद हैं।

अनूप मोहता

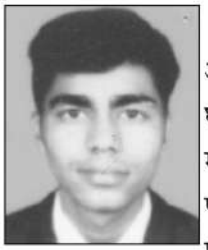

नागदा। अनुप आत्मज घनश्याम अनुराधा मोहता ने सी.ए. की फायनल परीक्षा प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण कर मोहता परिवार एवं नागदा माहेश्वरी समाज का नाम गौरवान्वित किया। आपके अग्रज गिरिराज मोहता भी प्रथम प्रयास में सी.ए. में उत्तीर्ण हो चूके हैं। समाज के अध्यक्ष हृदयेशकुमार गुप्ता, सतीश बजाज, नरेन्द्र राठी, अशोक बिसानी आदि ने आपकी सफलता पर बधाई दी।

जहाँ राम तहँ काम नहीं, जहाँ काम नहीं राम
तुलसी कबहुं कि रह सकहि, रवि-रजनी एक ठाँव

आप हमें एक अबोध बालक दीजिए, हम आपको सुसंस्कारित व्यक्तित्व देंगे

श्रेष्ठ संस्कारित एवं बहुमुखी प्रतिभाशाली युवक एवं युवती निर्माण हेतु

सुसनेर का एकमात्र अंग्रेजी माध्यम स्कूल

श्री संस्कार पब्लिक स्कूल

कक्षाएं

Nursery, L.K.G., U.K.G
1st, 2nd, 3rd, 4th & 5th

स्थान सीमित

संचालक

सुशील लड्ढा

पालिका बाजार, सुसनेर

☎ 957361-200174, 233623

विशेषताएं

- तीन माह में बच्चों को अंग्रेजी भाषा का ज्ञान।
- श्रेष्ठ अंग्रेजी माध्यम का स्कूल।
- सम्पूर्ण अध्यापन अंग्रेजी में सुसनेर से बाहर के अनुभवी अध्यापकों द्वारा
- बच्चों को लाने, छोडने हेतु मारूति वेन की व्यवस्था।
- कक्षा 1st से कम्प्यूटर शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था

आपका सहयोग ही सुसनेर की सफलता है

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

मनभरी साड़ियाँ

संचालक	मोबाईल
रामअवतार साबू	98257-84348
नरेन्द्र साबू	93774-29021
अरविन्द साबू	94261-08133

Manbhari® PRINTS

Mfrs. of Exclusive Fancy Sarees

M-1277, Surat Textile Market, Ring Road, Surat - 395 002

Ph. : 0261 - (O) 2321330, 2350040, 3962348 (R) 2474506, 2470348, 3965121

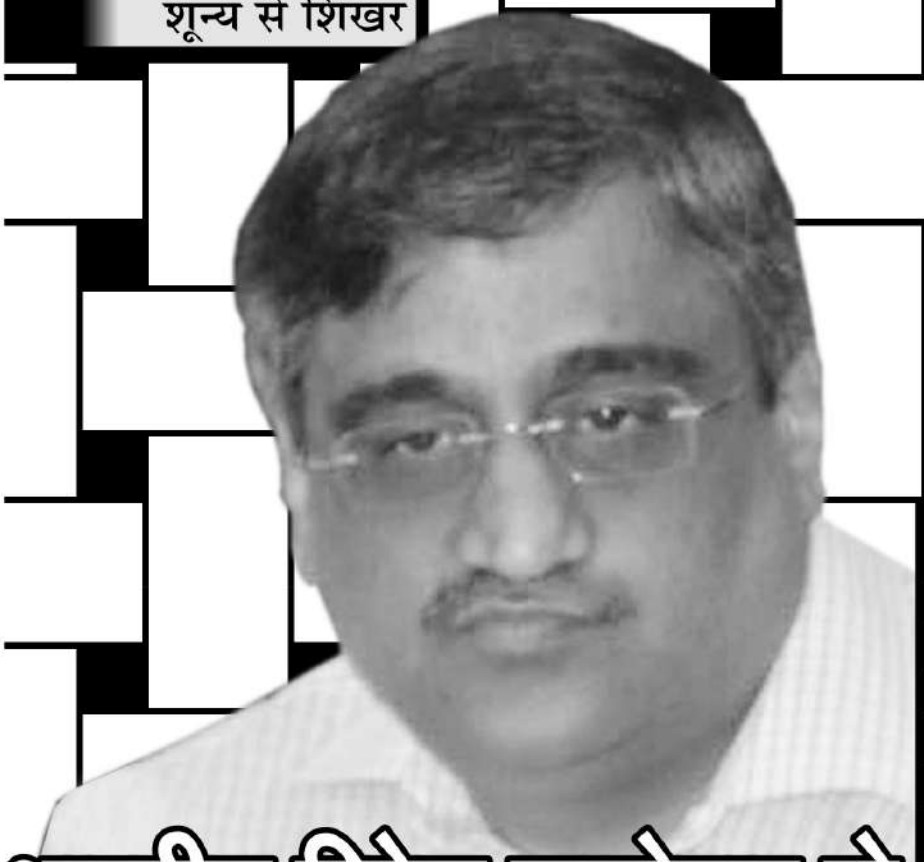

भारतीय रिटेल कारोबार के राजा किशोर बियाणी

भारतीय रिटेल मार्केट में सालाना 2,50,000 करोड़ रुपए का कारोबार होता है। विश्व के रिटेल मार्केटिंग विशेषज्ञ चकित हैं कि इसमें संगठित खेरची विक्रेताओं की मात्र 4 फीसदी यानि 10 हजार करोड़ रुपए की हिस्सेदारी है। शेष पर असंगठित क्षेत्र यानि- मोहल्लों की दुकानों का कब्जा है। ऐसे जटिल मार्केट में एक मारवाड़ी-माहेश्वरी किशोर बियाणी विगत एक दशक में 'करिश्मा' बनकर उभरा है। मात्र आठ साल में अपने रिटेल कारोबार को 90 करोड़ से 1100 करोड़ रुपए तक पहुँचाने वाले श्री बियाणी आज 25 शहरों में 60 डिपार्टमेंटल स्टोर्स (बिग बाजार, फूड बाजार, पेंटालून स्टोर और सेंट्रल मॉल) का संचालन कर रहे हैं। ये खेरची ब्रिकी संस्थान 22 लाख वर्ग फुट जगह पर फैले हुए हैं। किशोर बियाणी का स्वप्न है- सन् 2010 तक 40 लाख वर्ग फुट भूखंड पर डिपार्टमेंटल स्टोर्स का शतक....

■ प्रकाश बियाणी, इन्दौर

हमारे देश में रिटेल-बिजनेस (खेरची-व्यापार) बेहद जटिल है जिसे विदेशी मैनेजमेंट-गुरु तो 'एक बड़ा तमाशा' कहते हैं। वे भारत की विविधता से हैरान-परेशान हैं। जहाँ सारी दुनिया में आजमाए उनके फार्मूले फेल हो जाते हैं। यहाँ दस किलोमीटर पर बोली, रहन-सहन, खान-पान बदल जाता है। जितनी बोली (भाषा) है उससे ज्यादा जातियाँ हैं, जितनी जातियाँ उससे ज्यादा समुदाय हैं और हर समुदाय का अपना जीने और जीने के लिए खानपान से लेकर अन्य जरूरी व लक़्ज़री सामान खरीदने का अपना अलग अंदाज़ है। दरिद्र से गरीब और अमीर से बेहद रईस घरेलू सामान की खरीद के लिए स्थानीय दुकानदार, किराना बाजार या सब्जी वाले से लेकर पारिवारिक जौहरी पर भरोसा करते हैं जिनके साथ उनके सालों पुराने रिश्ते हैं। ऐसे विचित्र रिटेल मार्केट में राजस्थान के एक मारवाड़ी-माहेश्वरी किशोर बियाणी के करिश्मे से सारा बिजनेस-वर्ल्ड हतप्रभ है। मात्र सात वर्षों में किशोर बियाणी ने अपना रिटेल कारोबार मात्र 90 करोड़ (वित्त वर्ष 1998) से 1100 करोड़ (वित्त वर्ष-2005) पहुँचा दिया है। देश के प्रमुख 25 शहरों में उनके 60 बिग डिपार्टमेंटल स्टोर्स हैं जो चार हिस्सों (बिग बाजार, फूड बाजार, पेंटालून शॉपी व सेंट्रल मॉल) में बंटे हुए हैं। कॉमर्स मीडिया किशोर बियाणी को 'रिटेल-राजा' कहता है तो 2004 में उन्हें 'रिटेल फेस ऑफ द ईयर' (इमेजेस रिटेल)

अवॉर्ड से नवाजा गया है। सही भी है 2004 में उन्होंने 6 करोड़ रिटेल ग्राहकों की सेवा जो की है।

मुंबई के एच.आर.कॉलेज से कॉमर्स स्नातक, मार्केटिंग में पोस्ट ग्रेज्यूएट किशोर बियाणी ने सन् 1982 में पुश्तैनी कारोबार (टेक्सटाइल्स व यार्न ट्रेडिंग) से बिजनेस कैरियर शुरू किया था। सन् 1987 तक इसका सुचारू संचालन किया पर उनकी महत्वाकांक्षा के लिए यह पर्याप्त नहीं था। अतः वे मेन्यूफेक्चरिंग सेक्टर में आ गए। सात लाख रुपए की पूँजी उन्होंने जुटाई और एक कंपनी स्थापित की 'मेन्स वियर प्रा. लि.'। यह कंपनी प्रतिदिन 200 ट्राऊजर्स बनाने लगी। उन दिनों भारत में ब्रांडेड ट्राऊजर का चलन नहीं था। इस कमी को पूरा करने की मंशा से किशोर बियाणी ने पेंटालून ब्रांड नाम से ट्राऊजर्स और इसके बाद जॉन मिलर ब्रांडेड शर्ट्स लांच किए। सन् 1992 में कम लागत की पूँजी इकट्ठा करने की मंशा से वे पूँजी मार्केट में आए और अपनी कंपनी का नया नामकरण किया-पेंटालून फैशन्स (इंडिया)। इसके साथ ही उन्होंने फ्रेंचाईज़ी आधार पर 'पेंटालून शॉपी' की शृंखला लांच की। ब्रांडेड ट्राऊजर्स व शर्ट्स तथा पेंटालून शॉपी को मार्केट से प्रारंभिक प्रतिक्रिया इतनी उत्साहवर्द्धक मिली कि किशोर बियाणी ने 28 शहरों में 92 शॉपी खोल दी।

अपना ही उत्पादन और अपनी ही फ्रेंचाईज़ी शॉपी की प्रगति से वे खुश थे पर उन्हें यह अहसास होने लगा था कि 'फ्रेंचाईज़ी सिस्टम' उनकी अपेक्षाएँ पूरी नहीं कर सकेगा। उनका निष्कर्ष था कि फ्रेंचाईज़ी अवसरवादी है जो अच्छे मौसम में 'अच्छी-अच्छी बातें करते हैं पर जमीन से जुड़ी सच्चाइयों को कबूल नहीं करते। कारोबारी रणनीति में बड़ा फेरबदल करना हो अथवा अनायास निवेश बढ़ाना हो तो फ्रेंचाईज़ी सहयोग नहीं करते। तद्नुसार सन् 1997 में किशोर बियाणी ने कंपनी स्वामित्व-संचालित स्टोर खोलने की प्रक्रिया शुरू की और कोलकाता के गरियाहाट में 5 करोड़ रुपए की लागत से पहला पेंटालून फैमेली स्टोर जन्मा। इसके प्रमोशन के लिए जब किशोर बियाणी ने 40 लाख रुपए खर्च किए तो लोगों ने उन्हें 'शेख चिल्ली' तक कहा। दिलचस्प बात यह है कि उनकी यह पहल उपभोक्ता समुदाय को इतनी रास आई कि पहले ही दिन 1200 ग्राहक आए और पहले साल पेंटालून फैमेली स्टोर ने 10 करोड़ रुपए का कारोबार किया। किशोर बियाणी ने कोलकाता के केमॉक स्ट्रीट पर दूसरी शॉप खोली। इसके साथ वे भारत के रिटेल मार्केट व ग्राहकों के तौर-तरीके सीखने लगे।

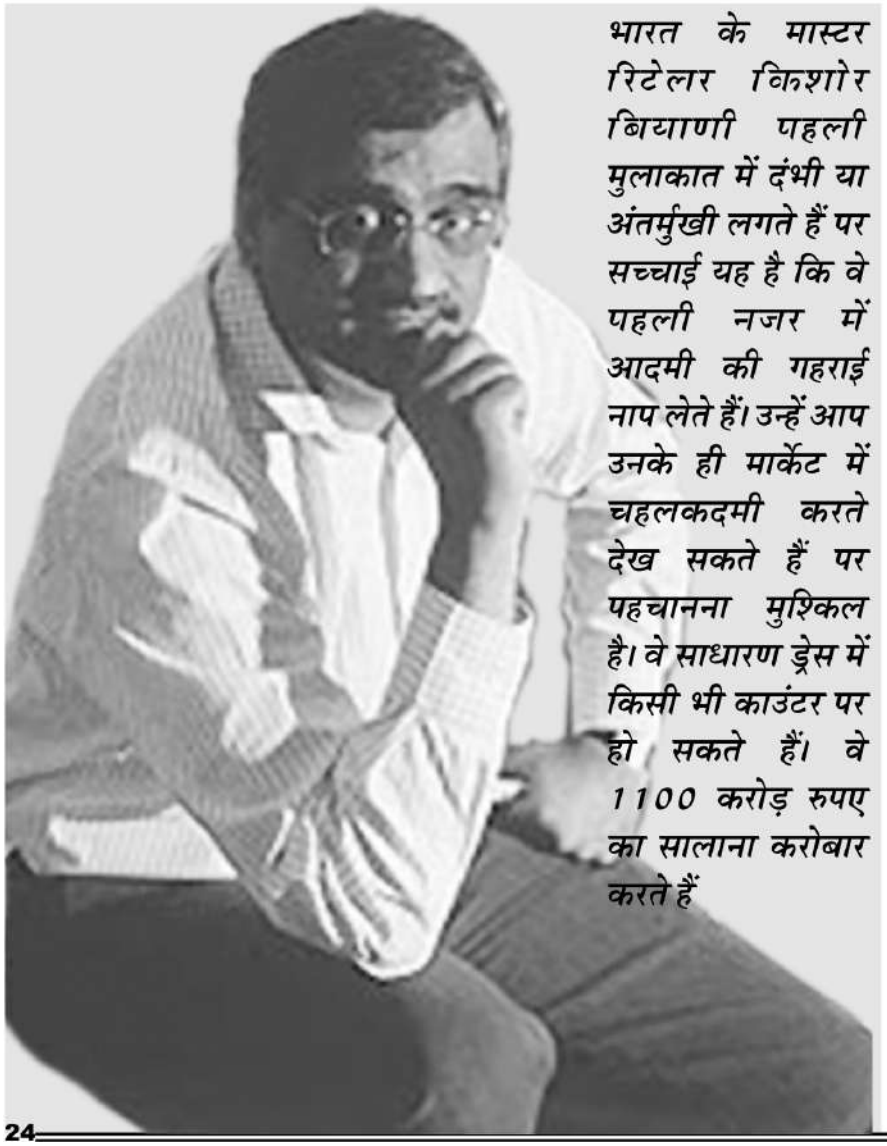

भारत के मास्टर रिटेलर किशोर बियाणी पहली मुलाकात में दंभी या अंतर्मुखी लगते हैं पर सच्चाई यह है कि वे पहली नजर में आदमी की गहराई नाप लेते हैं। उन्हें आप उनके ही मार्केट में चहलकदमी करते देख सकते हैं पर पहचानना मुश्किल है। वे साधारण ड्रेस में किसी भी काउंटर पर हो सकते हैं। वे 1100 करोड़ रुपए का सालाना करोबार करते हैं

उन्हें पहला सबक मिला कि पेंटालून शॉपी में संपन्न या उच्च मध्यमवर्गीय ही आते हैं। परिवार के पुरुष सदस्य ही यहाँ खरीदी कर पाते हैं क्योंकि महिलाओं या बच्चों के लिए शॉपी में कोई आकर्षण नहीं है। सन् 1999 में किशोर बियाणी ने फिर कंपनी का नया नामकरण किया- 'पेंटालून रिटेल (इंडिया) लिमिटेड जो रिटेल बिजनेस पर उनके 'फ़ोकस' को चिह्नित करता है। सन् 2004 में बिजनेस स्टैंडर्ड को दिए एक साक्षात्कार में किशोर बियाणी ने कहा 'पेंटालून की यात्रा के दौरान मैंने भूलें की और सबक सीखे हैं। इन सबक का ही परिणाम है कि पेंटालून डिपार्टमेंटल स्टोर, बिग बाजार, फूड बाजार व सेंट्रल मॉल जन्में।'

किशोर बियाणी के 'बिग बाजार' अपने नाम के अनुरूप बड़े हैं, सर्वसुविधायुक्त हैं पर इतने भव्य भी नहीं है कि सीमित गहराई के पॉकेट वाले परिवार को डराएं, आने से रोकें। यहाँ ड्रायवर व कार मालिक दोनों को एक साथ शॉपिंग करते हुए देखा जा सकता है।

28 शहरों में अपनी 'रिटेल-सेल्स' शृंखला को संचालित करते हुए श्री बियाणी के कई निष्कर्ष हैं। जैसे भारतीय उपभोक्ता समुदाय की सोच अलग-अलग है पर वे अपने पैसे का मूल्य पहचानते हैं। एक ही क्षेत्र

के दो शहर के लोग बिल्कुल अलग 'बिहेव' करते हैं। मसलन हैदराबाद के ग्राहक गहरे गाढ़े रंग पसंद करते हैं। यहाँ पुरुष अंतिम निर्णय लेते हैं तो बैंगलोर के परिवार हल्के रंग पसंद करते हैं। उत्तर भारत में 'अवसर-वादिता' है। यहाँ तीज-त्यौहारों पर खूब खरीदी होती है। छूट या स्टॉक समाप्ति सेल के समय मार्केट में चहल-पहल बढ़ जाती है। किशोर बियाणी के बिग बाजार में खाद्य सामग्री (किराना) सब्ज़ी, मसाले, दाल-चावल के लिए अलग काउंटर्स हैं जिनके बारे में उनका कहना है कि इसमें मार्जिन कम है पर इसके बहाने पूरा परिवार खासकर गृहिणी बाजार में आती है।

भारत के मास्टर रिटेलर किशोर बियाणी पहली मुलाकात में दंभी या अंतर्मुखी लगते हैं पर सच्चाई यह है कि वे पहली नजर में आदमी की गहराई नाप लेते हैं। उन्हें आप उनके ही मार्केट में चहलकदमी करते देख सकते हैं पर पहचानना मुश्किल है। वे साधारण ड्रेस में किसी भी काउंटर पर हो सकते हैं। वे 1100 करोड़ रुपए का सालाना करोबार करते हैं पर अपने किसी एक्ज़ीक्यूटिव की मारुति 800 में बैठने में उन्हें कोई संकोच नहीं होता। हालांकि उनकी अपनी कार होंडा एकॉर्ड है। कभी लॉन-टेनिस में वे शौकीन रहे हैं पर अब समयाभाव के कारण सप्ताह में दो-तीन बार आधा घंटा केवल 'योग' ही कर पाते हैं। वे पूरी तरह शाकाहारी हैं और बर्कोहलिक होने से अल्होकल की जरूरत नहीं पड़ती। मार्केट की लोकेशन पहचानने में उनका कोई सानी नहीं है। इसके चयन के लिए वे स्वयं मार्केट में पैदल घूमते हैं। मुंबई की निर्धन बस्ती धारावी में उन्होंने कई दिन-दोपहर गुजारी है। उनके अनुसार यदि भारतीय रिटेल मार्केट में सफल होना है तो ऐसी बस्तियों व आबादियों को लुभाना जरूरी है।

किशोर बियाणी ने ग्राहकों को उनके पैसे का पूरा मूल्य लौटाने की पहेली कैसे सुलझाई है? वे कहते हैं यह रहस्य है, खरीद में चतुराई और बिक्री में पारदर्शिता सबसे पहले तो वे अपनी देशव्यापी रिटेल श्रृंखला के लिए केन्द्रीकृत खरीद करते हैं यानि उनकी बड़ी खरीद निकलती हैं जो उनकी 'मोलभाव' का सामर्थ्य बढ़ा देती है और सप्लायर को

लुभाती है। वे सीधे उत्पादक से खरीद करते हैं यानि दो-तीन 'मझोलियों' का मार्जिन बचा लेते हैं और इसका एक हिस्सा ग्राहकों को लौटा देते हैं यानि 'बिग बाजार' स्थानीय किराना-दुकान से भी सस्ते हैं। तीसरे वे सप्लायर या उत्पादक को समय पर भुगतान करने में कोई चूक नहीं करते। उन्हें नकद भुगतान का लाभ मिलता है। खरीद से बिक्री तक सारी प्रक्रिया कम्प्यूटराइज्ड़ है। उनके पास इतनी विशाल रिटेल, श्रृंखला के बावजूद अधिकतम 75 दिन का स्टॉक रहता है। अलग-अलग मार्केट की उनकी अपनी सूझ-बूझ है। सब्जी से टीवी तक, दूध से मिठाई तक, गारमेंट से सूट तक सब चीज उनके रिटेल स्टोर्स में मौजूद है। गारमेंट्स वे खुद बनाते हैं। उनके चार भाई (दो सगे) उनके प्रमुख सहयोगी हैं विजय, अनिल, राकेश व सुनील बियाणी।

किशोर बियाणी के 27 फूड बाजार, 17 बिग बाजार, 15 पेंटालून स्टोर्स व तीन सेंट्रल मॉल 22 लाख वर्ग फुट भूखंड पर फैले हुए हैं। यह जुलाई-05 तक की प्रगति है जिसे 2006 तक वे 40 लाख वर्ग फुट में फैलाना चाहते हैं। उनका स्वप्न है कि वर्ष 2006 की समाप्ति तक देश में उनके 50 फूड बाजार, 35 बिग बाजार, 20 पेंटालून स्टोर्स व 6 सेंट्रल मॉल हो। अपने इस विशाल रिटेल कारोबार को संचालित करने के लिए उन्होंने अपनी कोर टीम में 52 एम बीए, 36 चार्टेड अकाउंटेंट्स नियुक्त किए हैं। एक साल में उनके कुल कर्मचारियों की संख्या 15 हजार (अभी करीब 10 हजार) हो जाएगी। रिटेल कारोबार में सक्षम व शिक्षित एक्ज़ीक्यूटिव की देश में आज भी कमी है अतः हाल ही में किशोर बियाणी ने वेलिंग्कर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के साथ दो साल का रिटेल पोस्ट ग्रेज्यूएट कोर्स लांच किया है। किशोर बियाणी की केवल फिल्में देखने में ही रुचि नहीं है वे फिल्म बनाते भी हैं पर फिल्मी पार्टी में परहेज करते हैं। उनके द्वारा निर्मित फिल्म 'ना तुम जानो न हम' ने अच्छा करोबार किया है। भारतीय वाल-मार्ट (अमेरिका की सबसे बड़ी रिटेल शॉपिंग श्रृंखला) बनने का स्वप्न संजोए किशोर बियाणी कहते हैं कि भारतीय रिटेल व्यापार 30 प्रतिशत की सालाना गति से प्रगति कर रहा है। 2010 में इसका आकार 24 बिलियन डॉलर होगा यानि यहाँ उनके लिए पर्याप्त संभावना है। पर इसका बड़ा हिस्सा प्राप्त करने के लिए भारत के रिटेल व्यवसायियों को 40 हजार करोड़ रुपए निवेश करना होंगे। पेंटालून तैयार है।

किशोर बियाणी की कंपनी ने कई विदेश संस्थागत निवेशकों व भारतीय संस्थागत निवेशकों ने बड़ी पूँजी निवेश की है। हाल ही में बैनेट कोलमेन एंड कंपनी (टाइम्स ऑफ इंडिया) ने किशोर बियाणी की कंपनी में निवेश किया है। उन्होंने एक वेंचर फंड कंपनी भी लांच की है। 'क्षितिज' वित्त योजना के तहत यह कंपनी 250 करोड़ रुपए पूँजी प्रबंधन संभालेंगे।

निश्चित ही ट्राऊजर उत्पादक से देश के सबसे बड़े रिटेलर बने किशोर बियाणी उनके लिए मिसाल है जो जोखिम उठाने को उद्यत हैं और जिनमें इतना आत्मविश्वास हो कि व्यापार व्यवहार के लिए पूँजी लेने में संकोच नहीं करें चाहे ब्याज ज्यादा चुकाना पड़े। ध्यान यह रखना है कि फोकस 'लक्ष्य' पर हो। निगाहें निशाने से न भटकें।

ज्ञान, कर्म, उपासना की सही समझ और संतुलन पर

व्याख्यान

जीवन प्रबंधन आध्यात्मिक अनुराग के साथ

जितने लोग हैं, उतने प्रश्न। जितने प्रश्न हैं, उतने उत्तर। फिर भी सभी के सामने सही उत्तर, समुचित समाधान का प्रश्न खड़ा है। कारण ज्यादा जोर व्यवहार पर है, स्वभाव पर नहीं। स्वभाव से जीने का अर्थ है अपनी मौलिकता में, मस्ती में जीना। व्यवहार में जीने पर उपलब्धि में, सांसारिक सुख हैं, पर परिणाम में हैं विलासिता, तनाव, क्रोध और अवसाद। जो स्वभाव से जीते हैं, उनकी उपलब्धि भी सांसारिक सुख हैं, लेकिन परिणाम में शांति, मस्ती और आनंद हैं। स्वभाव से व्यवहार बनाना सुखदायी है, व्यवहार से स्वभाव बनाना दुःखदायी है, यह भी एक प्रबंधन है। आध्यात्मिक अनुराग के साथ मुस्कुराते हुए संपूर्ण जीवन को समुचित प्रबंधन के साथ जीना ही जीवन प्रबंधन है।

भारतीय संस्कृति के विशाल ग्रंथों की सूची में तीन साहित्य ऐसे हैं, जिनकी समाधि–भाषा में जीवन प्रबंधन के अनेक संकेत हैं।

श्रीसत्यनारायणव्रतकथा
सत्य के प्रयोग ।
श्रीमद्भगवद्गीता में स्थितप्रज्ञ
कर्म में निष्कामता ।
श्रीहनुमानचालीसा में श्रीआंजनेय
जीवन प्रबंधन के गुरु ।

स्वभाव में जिएं,
संसार में रहें

जीवन प्रबंधन *Life Management*

आध्यात्मिक अनुराग के साथ — *With Spiritual Attachment*

पं. विजयशंकर मेहता

एक साधक के रूप में आध्यात्मिक अनुराग के आग्रही। रंगकर्म, पत्रकारिता और धर्म के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम। श्री सत्यनारायणव्रत कथा, श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीहनुमानचालीसा और श्रीरामचरितमानस पर देश–विदेश में दिए गए सैकड़ों व्याख्यानों में जीवन प्रबंधन पर इनकी मौलिक दृष्टि लोगों को आकर्षित और जिज्ञासुओं को संतुष्ट करती है।

'चित्रकूट'
1 शिवाजी पार्क कालोनी
देवास रोड
उज्जैन–456 010(म.प्र.) भारत

पं. विजयशंकर मेहता
द्वारा लिखित पुस्तक
श्री हनुमान चालीसा
की व्याख्या

जीवन प्रबंधन समूह
Life Management Group

मुलाहिज़ा फरमाइये

दुष्यन्त ने हिन्दी ग़ज़ल को एक नया मुहावरा और नई ऊंचाई दी है। उनका हरेक शेर पढ़कर लगता है कि ये तो दुष्यन्त ने मेरे लिए लिखा है या वाह मेरे दिल की बात कह दी।

इस बार मुलाहिज़ा फ़रमाइये
दुष्यन्त कुमार के कुछ शेर-

कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए,
कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए।

अब तो इस तालाब का पानी बदल दो,
ये कँवल के फूल कुम्हलाने लगे हैं।

हिम्मत से सच कहो तो बुरा मानते हैं लोग,
रो-रो के बात कहने की आदत नहीं रहीं।

इस शहर में वो कोई बारात हो या वारदात,
अब किसी भी बात पर खुलती नहीं है खिड़कियाँ।

हो गई हैं पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।

जिन्दगानी का कोई मकसद नहीं हैं।
एक भी कद आज आदमकद नहीं हैं।

जिस तरह चाहो बजाओ इस सभा में
हम नहीं हैं आदमी, हम झुनझुने हैं।

कैसे आकाश में सुराख़ नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों।

श्री गणेशाय नमः श्रीमते रामानुजाय नमः

हमारे नवीन प्रतिष्ठान

Member of NCDEX

राधे कमोडिटीज़

हमारी विशेषताएं - टर्मीनल आई.डी. हेतु विशेष रूप से सम्पर्क करें।
विशेष आकर्षक दलाली पर ऑनलाईन व्यापार डिलीवरी एण्ड सेटलमेंट की सुविधा

भवानी माता रोड, खण्डवा फोन - 5000297, 2222097, 2227122 (का.)
94250-85147 (विजय परवाल) 9301191997

लक्ष्मी का अर्थ केवल धन नहीं है। लक्ष्मी अपने उपयोग के अनुसार विभिन्न रूपों में सामने आती है। जब यह व्यावसायिक और उपभोग में है तो इसे वित्त कहेंगे, परमार्थ में काम आने वाली लक्ष्मी धन होगी और जो लक्ष्मी साधन और प्रभु की सेवा में अर्पित हो वह महालक्ष्मी है।

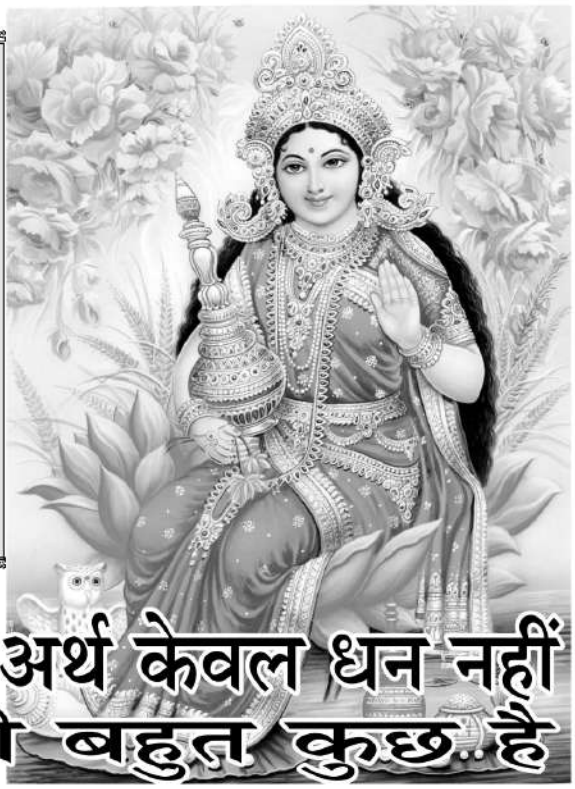

लक्ष्मी का अर्थ केवल धन नहीं और भी बहुत कुछ..है

■ **पं. विजयशंकर मेहता,** उज्जैन

हमारे देश में अनेक त्यौहार हैं पर जब दीवाली की बात आती है तो यह त्यौहार सबसे अलग नजर आता है। दीवाली की पहली विशेषता यह है कि परंपरा, उत्सव और व्यवसाय तीनों इसमें एक साथ समाए होते हैं। दूसरी विशेषता में यह है कि पाँच दिनों तक विभिन्न पर्व मनाए जाते हैं इसलिए अपने आप में यह महोत्सव हो जाता है और तीसरी बात धर्म, समाज और व्यवसाय के साथ जुड़ते हैं और त्यौहार नए रूप में सामने आता है।

दीवाली को सीधे-सीधे जीवन प्रबंधन से जोड़ा जा सकता है। घर में तेल के दीये, साफ-सफाई, बहीखातों की पूजा, लक्ष्मी का स्वरूप, वाहन के रूप में उल्लू ये सब बातें केवल रूढ़िवादी परंपरा नहीं हैं। इनके पीछे पूरा विज्ञान और दर्शन है। ज्ञानमार्ग से जिस सत्य की उपलब्धि की बात की जाती है लक्ष्मीजी उसके अनेक स्वरूप बताती हैं। कर्म मार्ग से चलने वाले लोग दिवाली के दौरान व्यावसायिक गतिविधियों में जुड़कर उन्हें एक नया रूप दे सकते हैं और भक्ति मार्ग का जो 'वैराग्य' होता है वह भी दिवाली में महालक्ष्मी के चरणों में प्रणाम करता है।

यह त्यौहार इसलिए भी जीवंत है कि इस दिन साक्षात् परमशक्ति लक्ष्मी अपना बसेरा तलाशने के लिए निकलती हैं और इसलिए लोग उनके स्वागत में अपने घर-द्वार सजाते हैं, छोटे-बड़े का भेद मिटा देते हैं।

दीपावली की शुरुआत को लेकर कई पौराणिक और लोक मान्यताएँ हैं। एक कथा समुद्र-मंथन से जुड़ी है। कहा गया है कि लक्ष्मी का आविर्भाव समुद्र-मंथन से दौरान समुद्र से हुआ। वे समुद्र-मंथन में प्राप्त चौदह रत्नों में से एक हैं। देवताओं ने उनके सौंदर्य पर मोहित होकर उन्हें अमूल्य उपहार दिए और संपूर्ण शृंगारित लक्ष्मी ने विष्णु के गले में जयमाला डाल दी। सभी ने लक्ष्मी-नारायण की स्तुति की और इसी दिन से लक्ष्मी पूजन शुरू हुआ।

परमात्मा पुरुष रूप में ब्रह्मा, विष्णु और महेश हैं तथा स्त्री रूप में संसार इनकी शक्ति को महाकाली (महेश), महालक्ष्मी (विष्णु) तथा महासरस्वती (ब्रह्मा) के नाम से पूजता है। इस प्रकार महालक्ष्मी भगवान विष्णु की अभिन्न शक्ति हैं। ये वैष्णवी शक्ति हैं और भगवान विष्णु जब-जब अवतार लेते हैं, तब ये ही शक्ति लक्ष्मी, सीता, राधा, रुक्मणि के रूप में उनके साथ अवतार लेती हैं। यह मान्यता है कि यदि मनुष्य इनकी कृपा से वंचित हो जाए तो उसके जीवन में ऐश्वर्य का अभाव हो जाता है।

लोक परंपरा में आश्विन पूर्णिमा (शरद पूर्णिमा) तथा कार्तिक अमावस्या (दीपावली) के दिन लक्ष्मी पूजन का विधान है। इनकी पूजा विशेष रूप से अर्धरात्रि में की जाती है। शास्त्रों में इनके पूजन के अनेक स्तोत्र हैं जिनमें इंद्र द्वारा किया गया 'श्री स्तोत्र' सबसे अधिक विख्यात है। यह स्तोत्र अग्नि, विष्णु तथा विष्णु धर्मोत्तर आदि पुराणों में यथावत पाया जाता है। यह पर्व कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है, जब दिन के कुछ भाग में चतुर्दशी रहती है किन्तु रात्रि में अमावस्या अवश्य रहती है।

कार्तिक अमावस्या की रात्रि सुखरात्रि कहलाती है क्योंकि इस रात को देवता भगवान विष्णु के द्वारा अभय प्राप्त कर क्षीर सागर के बीच में विद्यमान पर्वत के शिखरों पर सुख से सोए थे, लक्ष्मीजी दैत्यों के भय से मुक्त होकर कमल के भीतर सोई थीं और ब्रह्मा भी एक हजार चतुर्युग के बाद कमल में इस रात्रि में सुख से सोते हैं इसीलिए कार्तिक की अमावस्या की रात्रि के अवसर पर सुख-शयन के लिए विधिवत ''लक्ष्मी'' की उपासना का विधान है।

लक्ष्मी के उपासक इस बात को समझ लें कि लक्ष्मी का अर्थ केवल धन नहीं है। लक्ष्मी अपने उपयोग के अनुसार विभिन्न रूपों में सामने आती है। जब यह व्यावसायिक और उपभोग में है तो इसे वित्त कहेंगे, परमार्थ में काम आने वाली लक्ष्मी धन होगी और जो लक्ष्मी साधन और प्रभु की सेवा में अर्पित हो वह महालक्ष्मी है। ऐसा कहा जाता है कि लक्ष्मी चंचल होती है पर सत्य तो यह है कि लक्ष्मी चंचल नहीं होती। जिन लोगों के पास लक्ष्मी होती है उनकी मनोवृत्ति चंचल हो जाती है। इसलिए जो लोग अपने मन और अपनी इंद्रियों को स्थिर करेंगे उनके पास लक्ष्मी स्थिर रहेगी। दीवाली का सबसे बड़ा संदेश यह भी है कि लक्ष्मी का स्थान हाथ के अग्र भाग में होता है। अतः मनुष्य को अपने हाथों पर यानी अपने कर्म पर और पुरुषार्थ पर भरोसा रखना चाहिए और यही सबसे बड़ी लक्ष्मी पूजा है।

दीपावली खुशियों का पर्व है। यह खुशी खान-पान में भी उसी तरह अभिव्यक्त होती है, जिस तरह दीपमालिका लगाने और पटाखे छोड़ने में। यही कारण है कि दीपावली पर बाजार से लाई मिठाईयों की अपेक्षा घर में बने पकवानों का अधिक महत्व होता है। दीपावली पर घर में बनी स्वादिष्ट मिठाईयां कई वर्षों तक याद रहती है। दीपावली की इसी मिठास को बढाने के लिए प्रस्तुत है, जायकेदार रेसिपी.....

खोये की कचौड़ी

छह लोगों के लिए

सामग्री- 250 ग्राम मैदा, 1 टी स्पून कॉर्नफ्लोर, 30 ग्रामी घी।

भरावन के लिए

200 ग्राम खोया, 50 ग्राम मिल्क पाउडर, 1 टी स्पून सूखी मेवा, 1/2 टी स्पून इलायची-दालचीन पाउडर।

चाशनी के लिए

250 ग्राम चीन, 1 कप चीनी, 1 चुटकी केसर, तलने के लिए घी।

विधि

भरावन की सामग्री मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। कचौड़ी के लिए मैदा में पानी मिलाकर गूंथ लें और गीले कपड़े से ढंककर रख दें। पानी और चीनी की चाशनी बना लें, चाशनी को पारदर्शी बनाने के लिए इसमें एक चम्मच दूध भी डाल दें। चाशनी एक तार की होनी चाहिए। केसर का ऊंगलियों से चूरा कर लें। मैदा की छोटी-छोटी लोइयाँ बना लें। लोई को बेलकर उसमें भरावन का मिश्रण भरकर अच्छी तहर बंद कर दें। घी को गर्म करें, जब घी गर्म हो जाए तो धीमी आंच पर कचौड़ियों को तल लें।

मूंग की दाल का हलवा

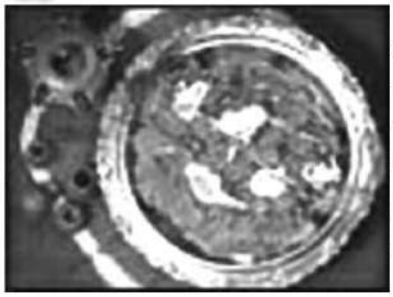

4 लोगों के लिए

सामग्री- 1 कप 5-6 घंटे भीगी हुई मूंग की दाल, 1 कप घी, 1 कप चीनी, 1 कप दूध, 2 कप पानी, चौथाई टी स्पून पिसी हुई छोटी इलायची, 1 टी स्पून केसर, चौथाई कप भुने हुए बादाम।

सजाने के लिए - चांदी का वर्क 1

विधि -

केसर को दो टेबल स्पून गर्म दूध में भिगो दें। भीगी हुई दाल को रगड़ कर उसका छिलका निकाल दें। इसे फूड प्रोसेसर में या सिल पर दरदरा पीस लें। अब दाल के पेस्ट में घी मिलाकर धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं। तब तक पकाएं जब तक कि दाल अच्छी तहर भुन न जाए लेकिन धीमी आंच पर ही पकाएं जिससे दाल ठीक से पक जाए। दाल पकने में लगभग पंद्रह मिनट लगेंगे। चीनी, दूध और पानी डालकर तब तक पकाएं जब तक कि चीनी घुल न जाए। जब दाल पक जाएगी तब वह गहरे रंग की दिखेगी यानी पकने के बाद दाल चिपकेगी नहीं। दाल जब चिकनाई छोड़ने लगे तब दूध मिश्रण डाले और दोबार धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक कि वह फिर से चिकनाई न छोड़े।

रसमाधुरी

कितने लोगों के लिए - 4

सामग्री- 8 चपटे छेने के रसगुल्ले, संदेश, 1 टे.स्पून दूध में घुली चुटकी भर के सर, 1 टे.स्पून मेवा, 1/4 टी स्पून पिसी इलायची, 3 टे.स्पून दूध, 2 ताजे केले के पत्ते सजावट के लिए। 1 टे. स्पून चाँदी का वर्क लगे पिस्ता, दो बूंद खाने वाला केसरिया रंग।

विधि - केले के पत्तों को एक डिब्बे का रूप दें। चपटे रसगुल्ला छेने को बीच के बराबर-बराबर दो भागों में काट लें। एक भाग संदेश केसर दूध, कटे मेवा, पिसी इलायची डालकर अच्छे से मिला, उन्हें आठ भागों में बांट लें। संदेश के दूसरे भाग में भी दूध डाल मुलायम पेस्ट बना ले। केसर संदेश मिश्रण को छेना रसगुल्ले के बीच में रख उसे केले पत्तों के डिब्बे में रखें। प्रत्येक डिब्बे में ऊपर से संदेश दूध मिश्रण भरें। चाँदी का वर्क लगे पिस्ता और केसर रंग से सजाकर परोसे।

श्री सतीश करनानी को पितृ शोक

कानपुर। मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सतीश करनानी के पिता शिवप्रसाद करनानी का निधन हृदय गति रुकने से हो गया। पावन गंगा के तट पर दाह संस्कार के समय सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा सुमन

रतलाम। वरिष्ठ समाजसेवी, श्री माहेश्वरी रामोला न्यास के वर्ष 1996 से न्यासपति प्रमुख उद्यमी एवं श्री दिनेश धूत के पिताश्री श्री युत रामनिवासी धूत का वैकुण्ठवास हो गया। सभी समाजबंधुओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

रतलाम। श्री माहेश्वरी सेवा संगठन के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य गोपाल झंवर के पिता बद्रीलाल झंवर तथा भाभी श्रीमती सूर्यकांता झंवर का दीर्घ बीमारी के पश्चात वैकुण्ठ वास हो गया।

रतलाम। श्री माहेश्वरी रामोला न्यास के वरिष्ठ न्यासी गोपालकृष्ण परवाल के पिता सोहनलाल परवाल का अल्प बीमारी के पश्चात वैकुण्ठवास हो गया।

रतलाम। युवा संगठन के पूर्व प्रमुख श्री अशोक काबरा के पिता दीनदयाल काबरा का वैकुण्ठवास हो गया।

त्याग का अनुकरणीय उदाहरण स्व. चांडक

कोलकाता। व्यवसायी नारायणदास चांडक ने अपना जीवनकाल आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर धार्मिक अनुष्ठान व प्रवचन करते हुए संत महात्माओं, विद्वानों के अमृत वचनों, सूक्तियों को संग्रहित करते हुए, पर्यावरण और पशु-पक्षियों की सेवा करते हुए, आयुर्वेदिक शास्त्र का ज्ञान प्राप्त कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर, उनकी सेवा-सुरक्षा करते हुए व्यतीत किया वहीं मरणोपरांत अपनी आंखें दो नेत्रहीन बच्चों को बी.एम.बिरला प्रतिष्ठान में दान कर अपने जीवन को मानवता का अनुकरणीय उदाहरण बना दिया। मध्यप्रदेश के विदिशा नगर में जन्मे नारायणदास चांडक बाल्यकाल से ही सहृदयता, सौहार्द्रता, धर्म परायणता और परोपकारिता की प्रतिमूर्ति रहे। उनकी शिक्षा विदिशा और अजमेर में हुई। शिक्षा पूर्ण कर मध्यप्रदेश के सीहोर नगर में उन्होंने अपना व्यवसाय प्रारंभ किया और उसका विस्तार कोलकाता तक किया। 15 सितम्बर 2005 को गोलोकवास के समय चांडकजी 72 वर्ष के थे। स्व. नारायणदास चांडक के छोटे भाई श्री मनमोहन माहेश्वरी अमरीका में रहते हैं और उन्हें वहाँ की राजनीतिक पार्टी में मुख्य स्थान प्राप्त है।

रतलाम। श्री माहेश्वरी सेवा संगठन के सचिव नरेन्द्र बाहेती की मातुश्री एवम् माहेश्वरी समाज के आय-व्यय निरीक्षक कृष्ण वल्लभ बाहेती की भाभी श्रीमती अयोध्याबाई बाहेती का वैकुण्ठवास हो गया।

रतलाम। प्रख्यात स्वर्ण, रजत, वस्त्र व्यवसायी प्रतिष्ठित भंसाली परिवार पुराधा एवं दशकों तक माहेश्वरी समाज के नेतृत्वकर्ता श्री नारायण भंसाली के इन्दौर में अल्प व्याधिप्रदता के पश्चात वैकुंठवास पर नगर के सामाजिक व्यावसायिक एवं धर्म जगत के मान बिंदुओं ने त्रिवेणी तट पर आयोजित शोक में श्रद्धा सुमन अर्पित किएं।

श्रीमती सीतादेवी भूतड़ा का निधन

सूरत। श्री माहेश्वरी टाईम्स के सूरत संवाददाता श्री भरत भूतड़ा, राम, किशन, शिवम की दादीजी एवं सूरजनारायण, गंगाप्रसाद की मातुश्री श्रीमती सीता भूतड़ा (निवासी डांगावास) का विगत दिनों 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

श्री झँवर का देवलोक गमन

बागा। श्री माहेश्वरी टाईम्स के कुक्षी तहसील के प्रतिनिधि श्री रोहित झँवर के ताऊजी श्री शंकरलालजी झँवर का विगत दिनों निधन हो गया। स्थानीय महाकालेश्वर मुक्ति धाम पर उनकी चिता को मुखाग्नि उनके पुत्र संजय व अमित झँवर ने दी। उनकी अंतिम यात्रा में माहेश्वरी समाज, जैन समाज व अन्य समाजों के नागरिकगण सम्मिलित हुए। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार अपनी ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

फलौदी माताजी मेड़ता रोड (राजस्थान)

समाचार एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

श्री माहेश्वरी टाईम्स के क्षेत्रीय प्रतिनिधि

श्री श्याम माहेश्वरी
एल.आई.जी.2, 354, इन्दिरा नगर,
उज्जैन (म.प्र.)
फोन - (0734) 2561650,
2580948
क्षेत्र - जिला उज्जैन (म.प्र.)

श्री महेश कयाल
फ्लेट नं. जी-2, 448-गोयल नगर,
कलाकृति अपार्टमेन्ट,इन्दौर - (म.प्र.)
फोन - (0731) 9300131183
क्षेत्र - इन्दौर (म.प्र.)

श्री मनीष लड्ढा
हरिकृपा सिल्क मिल्स, एम/739,
न्यू टेक्सटाइल मार्केट,रिंग रोड, सूरत
फोन - (0261) 2365559
मो. 93745-19887
क्षेत्र - सूरत (गुजरात)

श्री विनोद कुमार खटोड़
सी-43, कृष्णा अपार्टमेन्ट,
बोरिंग रोड, पटना (बिहार)
फोन-(0612) 2574973,
2570289
क्षेत्र - पटना (बिहार)

श्री अशोक माहेश्वरी
18/91ए, दुर्गापुरी, पटेल नगर, सासनी गेट,
अलीगढ़- 202 001
मो. 98370 11245
क्षेत्र - अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)

श्री सुनील माहेश्वरी
प्लाट नं. 6-बी, विष्णुनगर,
जलगांव (महाराष्ट्र)
मो. 9370002216
क्षेत्र - जिला जलगांव (महाराष्ट्र)

श्री के.के. मालपानी
828, 'ब्रजनिवास', शक्तिनगर,
बठिण्डा (पंजाब)
मो. 98156-54841
क्षेत्र - बठिण्डा (पंजाब)

श्री आशीष परवाल
व्हाईट मल्टी, जमीदार कालोनी, रामटेकरी,
मन्दसौर (म.प्र.)
फोन - (07422) 504106
क्षेत्र - मन्दसौर जिला (म.प्र.)

श्री विनय जावंधिया
लक्ष्मीनगर, मूर्ति रोड,
काटोल जिला नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन - (07112) 223742
क्षेत्र - काटोल जिला (महाराष्ट्र)

सुश्री गोपिका मंत्री
95, शास्त्री नगर, खण्डवा (म.प्र.)
फोन - (0733) 2249867
क्षेत्र - खण्डवा जिला (म.प्र.)

श्री रोहित झंवर
सदर बाजार, बाग जिला-धार (म.प्र.)
फोन - (07297) 267293
क्षेत्र - कुक्षी तहसील (म.प्र.)

श्री भरत भूतड़ा
3134, हरि ओम मार्केट, II फ्लोर,
रिंग रोड, सूरत (गुजरात)
मो. 98791-23889
क्षेत्र - सूरत (गुजरात)

श्री भूपेन्द्र जाजू
हाटपुरा रोड, आगर-मालवा (म.प्र.)
फोन - 258805
क्षेत्र - आगर-मालवा (म.प्र.)

श्री अर्पण बल्दवा
श्याम इलेक्ट्रानिक्स, 444,
महात्मा गांधी मार्ग, बड़नगर (म.प्र.)
फोन - (07367) 225846
क्षेत्र - बड़नगर (म.प्र.)

श्री सी.डी. राठी
इतवारा वार्ड-3, पोस्ट पुसद,
जिला यवतमाल (विदर्भ)
फोन - (07233) 246954
क्षेत्र - पुसद जिला (विदर्भ)

श्री गोपाल मोहता
38, जवाहर मार्ग, नागदा जक्शन
फोन - (07366) 242200, 242118
क्षेत्र - नागदा (म.प्र.)

श्री सतीश बजाज
'अभिपूजा' 126, जीवाजीनगर,
नागदा जंक्शन (म.प्र.)
मो. 98262-80094
क्षेत्र - नागदा (म.प्र.)

श्री कपिल माहेश्वरी
42, त्रिमूर्ति नगर, कोर्ट चौराहा
धार (म.प्र.)
फोन - (07292) 235617
मो. 98267-69181
क्षेत्र - धार (म.प्र.)

श्रीमती प्रीति राठी
राठी निकुंज, मानस स्कूल के पास,
डंडापुरा, विदिशा (म.प्र.)
फोन - 07592-232178
क्षेत्र - विदिशा (म.प्र.)

श्री प्रकाश लढ़ा
156- सदर बाजार,
भीलवाड़ा (राजस्थान)
फोन - 236007, 234235
क्षेत्र - भीलवाड़ा (राजस्थान)

श्री राजेन्द्र लखोटिया
9-बी/1, वेस्ट मॉडल टाउन,
गाजियाबाद (यू.पी.)
मो. 9818391752
क्षेत्र - गाजियाबाद (यू.पी.)

श्रीमती संगीता माहेश्वरी (इनाणी)
मो. 98260-88447
क्षेत्र - भोपाल, इन्दौर (म.प्र.)

श्री सुशील माहेश्वरी
5/180, चिरंजीव विहार,
गाजियाबाद (यू.पी.)
मो. 9899302894
क्षेत्र - जिला गाजियाबाद (यू.पी.)

श्री गोपाल माहेश्वरी
III-L30, मे. नेहरु नगर,
गाजियाबाद (यू.पी.)
क्षेत्र - गाजियाबाद (यू.पी.)

श्री निलेशकुमार चन्द्रशेखर डांगरा
विट्ठल चौक, हुपरी
जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
फोन - 9822370069
क्षेत्र - कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

श्री अशोक धीरन
नंदवाना, जिला विदिशा (म.प्र.)
फोन - 07592-507536
कार्यालय प्रतिनिधि (सम्पूर्ण म.प्र.)

श्री विजय समदानी
नगर पंचायत भवन के नीचे,
मनासा, जिला नीमच (म.प्र.)
क्षेत्र - मनासा (म.प्र.)

श्री पुरुषोत्तमदास चाण्डक
19/301- ए, आदर्श नगर
आवास विकास कालोनी, आगरा रोड
अलीगढ़ (यू.पी.)
मो. 9897898539
क्षेत्र - अलीगढ़ (यू.पी.)

श्री सुनील दरक
39, एम.जी. रोड,
सोनकच्छ, जिला देवास (म.प्र.)
मो. 9893339909
क्षेत्र - सोनकच्छ (म.प्र.)

श्री एम.एल. गगरानी
41, आदर्श कालोनी, आनंद बाग
सिविल लाईन्स, देवास (म.प्र.)
फोन - (07272) 250683
क्षेत्र - देवास (म.प्र.)

श्री सुमित माहेश्वरी
40, लालवानी कम्पाउंड,
हमीदिया रोड, भोपाल (म.प्र.)
फोन - (0755) 532307
क्षेत्र - भोपाल (म.प्र.)

श्री सुरेश मूंदड़ा
छत्रपति शिवाजी वार्ड,
हरदा (म.प्र.)
मो. 94250-45110
क्षेत्र - हरदा-होशंगाबाद (म.प्र.)

श्री संतोष कालंत्री
15/3, नार्थ राजमोहल्ला
इन्दौर (म.प्र.)
मो. 9329549466
क्षेत्र - इन्दौर (म.प्र.)

श्री विजय सोमानी
6, जवाहर मार्ग, बदनावर
जिला धार (म.प्र.)
फोन- (07295) 33867, 33776
क्षेत्र - बदनावर (म.प्र.)

।। सर्वे भवन्तु निरामयाः ।।

परामर्श शुल्क नहीं

इलाज इंसान का
भरोसा भगवान का

औषधि का लागत मूल्य मात्र

रोगों के निदान का आयुर्वेदिक, प्राकृतिक, एक्यूप्रेशर, रैकी एवं
स्वर विज्ञान द्वारा जीर्ण, जटिल, पुराने व असाध्य रोगों की श्रेष्ठतम चिकित्सा

अब सेवाएँ प्रतिदिन रतलाम में भी

नवीन पद्धति - नव उपचार | नूतन नुस्खे - रोग संहार

धन्वंतरि औषध मन्दिर एवम् आरोग्य धाम

2, हैप्पी अपार्टमेंट, राजीव गाँधी सिविक सेन्टर
न्यू रोड, रतलाम 457001, 07412-220599 (चिकित्सालय) 232611 (निवास)

- निःसंतान दम्पत्तियों को मनचाही संतान की निश्चित प्राप्ति।
- (शुक्राणु को पूर्ण विकसित व क्रियाशील करना तथा स्त्री जनित रोगों में अण्डाणु बनना, फालोपिया, ट्यूब चॉक होना,गर्भाशय की सूजन, माहवारी का कम या अधिक होना आदि की प्रामाणिक व विश्वसनीय चिकित्सा)
- समस्त गुप्त रोगों की पूर्ण सफल चिकित्सा (स्त्री-पुरुष दोनों के लिए)
- कई कन्याओं के पश्चात पुत्र प्राप्ति संयोग चिकित्सा (पति-पत्नी दोनों पधारें)
- हृदयाघात (हार्ट अटैक)
- मधुमेह (डायबिटीज)
- पक्षाघात (लकवा)
- पथरी (किसी भी स्तर की, बिना शल्य क्रिया के)
- अर्श (पाईल्स) बवासीर, भंगदर
- श्वांस-दमा रोग (पुराना भी)
- साईटिका व घुटना, टखना रोग
- सभी प्रकार की एलर्जी व कमर दर्द
- पोलियो, जकड़न, कैंस, वातरोग, चर्मरोग
- यौन रोग एवम् एड्स जैसी महामारी व गठिया का भी सफलतम् इलाज
- मोटापा (45 दिनों में शर्तिया दूर) ब्लडप्रेशर, गैस, कब्ज, एसीडीसी
- रूसी, दाग, मुंहासे, भभूति, एड़ी फटना (बिवाई)
- पौरुष ग्रंथी, शुगर घाव, पुराना बुखार, पोस्टेड धातु
- श्वेत प्रदर, रक्त प्रदर, पुरानी खाँसी, पेशाब में रुकावट।

वैद्याचार्य एन.के.परमार
आयुर्वेद रत्न

श्रीमती जे.के.परमार
वैद्य विशारद

श्रीमती आशा देवड़ा
वैद्य विशारद

वैद्य अभयश्री परमार
वैद्य विशारद

पाईल्स (बवासीर) की निःशुल्क औषधि हेतु स्वयं मिलें-दोपहर 2 से 3 के मध्य